राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण रविवार 08 सितंबर 2024 वर्ष–7,अंक–226 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में ढही तीन मंजिला इमारत

एक की मौत, कई लोगों के दबे होने की आशंका

-13 लोगों को सुरक्षित निकाला

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार शाम भारी बारिश के दौरान एक तीन मंजिला इमारत के ढहने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद मौके पर दमकल विभाग, एनडीआरएफ (राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल) और एसडीआरएफ (राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल) की टीमें तुरंत पहुंचकर बचाव कार्य में जुट गईं। अब तक की जानकारी के अनुसार, मलबे से 13 लोगों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

-इमारत में दवा के गोदाम

बताया जा रहा है कि इस तीन मंजिला इमारत में एक दवा का गोदाम भी था। हादसा उस समय हुआ जब लखनऊ में भारी बारिश हो रही थी, जिसके चलते इमारत का ढांचा कमजोर हो गया और वह अचानक ढह गई। इमारत के ढहने से आसपास के लोगों में दहशत फैल गई और राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाई गई। प्रशासन और बचाव दल लगातार मलबे में दबे लोगों की तलाश कर रहे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें विशेष उपकरणों का इस्तेमाल कर बचाव कार्य को अंजाम दे रही हैं।

-सीएम ने लिया संज्ञान, दिए बचाव कार्य के निर्देश

घटना की सूचना मिलते ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर संज्ञान लिया और तुरंत एनडीआरएफ और एसडीआरएफ को प्रभावी तरीके से बचाव कार्य करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन को घायल लोगों को तुरंत अस्पताल पहुंचाने और उनके समुचित इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से लगातार राहत कार्य की निगरानी की जा रही है और स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

-मलबे में और लोगों के दबे होने की आशंका

हालांकि 13 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है, लेकिन मलबे में और लोगों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। राहत टीमों के अधिकारी इस बात की पुष्टि कर रहे हैं कि बचाव कार्य पूरा होने तक मलबे की पूरी तरह

जांच की जाएगी। घटनास्थल पर मेडिकल टीमों को भी तैनात किया गया है ताकि किसी भी घायल व्यक्ति को तुरंत प्राथमिक चिकित्सा मिल सके।

-प्रशासन की अपील

स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे घटनास्थल से दूर रहें ताकि राहत और बचाव कार्य बिना किसी रुकावट के जारी रखा जा सके। मौके पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है, और इलाके को सील कर दिया गया है ताकि अनाधिकृत व्यक्तियों को घटना स्थल पर जाने से रोका जा सके।

बच्चों को चल संपत्ति नहीं माना जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । नाबालिक बच्चे की बंदी प्रत्यक्षीकरण के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला दिया है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति एएस ओका और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा है। न्यायालय को मानवीय आधार पर कार्य करना होगा। जब कोर्ट किसी भी नाबालिक बच्चों के संबंध में विचार करता है। बच्चे को संपत्ति की तरह नहीं माना जा सकता है। बच्चे पर पडने वाले प्रभाव को भी न्यायालय को देखना होगा। सुप्रीम कोर्ट में 2 साल 7 माह की बच्ची की कस्टडी से जुड़ा हुआ मामला पहुंचा था। 2022 में बच्ची की मां की मौत हो गई थी। बच्ची मौसी के पास थी। हाईकोर्ट ने उस बच्ची को उसके पिता और दादा- दादी को सौंपने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है। हाईकोर्ट ने बच्ची के हित पर विचार नहीं किया। हाईकोर्ट ने केवल पिता के अधिकार को मानते हुए बच्ची को कस्टडी में सौंपने के आदेश दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश जारी किया है। 21 सितंबर से प्रत्येक पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को बच्ची की मौसी 3 बजे, तथा बच्ची के पिता और दादा-दादी शाम 5 बजे बच्ची से मिल सकेंगे।

भेड़िए का आतंक.....पंचायत भवन और प्राथमिक विद्यालय बने आश्रय स्थल

बहराइच । उत्तर प्रदेश के कई ग्रामीण इलाकों में भेड़िए के आतंक से लोग परेशान हैं। भेड़िए के हमले से कई लोगों की जान जा चुकी है। भेड़िये के हमलों से सबसे ज्यादा प्रभावित वे लोग हैं, जो या बेघर हैं या जिनके आवास में दरवाजे या मजबूती नहीं है। इन लोगों के रात में रहने के लिए प्रशासन ने पंचायत भवन और प्राथमिक विद्यालयों को आश्रय घर बनाया है। इन आश्रय स्थलों में रात के समय लोगों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम कर दिए गए हैं, इसमें लाइट, पीने का साफ पानी, शौचालय, पंखे और बिस्तर जैसी सुविधाएं शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि उनके पास अपने घरों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। भेड़ियों से उनकी जान को खतरा था। इसकारण वे इन अस्थायी आश्रय स्थलों में रह रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में भेड़ियों के हमलों में 10 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें 9 बच्चे शामिल हैं, जबकि लगभग 4 दर्जन लोग घायल हुए हैं। यह गंभीर स्थिति प्रशासन और वन विभाग के लिए चिंता का विषय बन गई है। भेड़ियों को पकड़ने के लिए भारी पुलिस फोर्स, वन विभाग की 7 जिलों की टीमें, शार्प शूटर्स और स्पेशलिस्ट को तैनात किया गया है।

लालू-तेजस्वी को राहत.....समन पर आदेश की तारीख आगे बढ़ी

नई दिल्ली । दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने लैंड फॉर जॉब मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों को समन पर आदेश टाल दिया। मामले को आदेश के लिए 13 सितंबर को सुनवाई होगी। 6 अगस्त को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लालू, तेजस्वी और नौ अन्य के खिलाफ पूरक आरोप पत्र दायर किया था। तीन आरोपियों की मौत हो चुकी है। इसके पहले मामले में 24 अगस्त को पूर्व रेल मंत्री लालू, तेजस्वी यादव और आठ अन्य के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पूरक आरोपपत्र पर संज्ञान लेने के बारे में अपना आदेश स्थगित कर दिया। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने अभियोजन पक्ष की शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के समकक्ष) पर आदेश सात सितंबर तक के लिए टककर कहा कि कुछ स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। पूरक आरोप पत्र छह अगस्त को अदालत के समक्ष दायर किया गया था। ईडी का मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा दर्ज की गई प्राथमिकी पर आधारित है। इस बीच अदालत ने संघीय एजेंसी को एक सह-आरोपी लल्लन चौधरी का मृत्यु प्रमाण पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया।

पीएम मोदी के निमंत्रण पर भारत आ रहे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस

-शेख खालिद 9-10 सितंबर को भारत की आधिकारिक यात्रा पर

नई दिल्ली । भारतीय विदेश मंत्रालय ने घोषणा की कि अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान 9-10 सितंबर को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की आधिकारिक यात्रा पर आ रहे है। अबू धाबी के युवराज के रूप में यह उनकी पहली भारत यात्रा होगी। अल नाहयान के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी होगा। वे सोमवार को पीएम मोदी से मिलने और द्विपक्षीय सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर चर्चा करने वाले है। जिसके बाद वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात कर बाद में महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे। अपनी यात्रा के दूसरे दिन वह एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, इसमें दोनों देशों के बिजनेस प्रमुख हिस्सा ले रहे है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रिंस की यात्रा मजबूत भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के रास्ते खोलेगी।

शाह की पाकिस्तान को दो टूक.....

जब तक शांति नहीं, तब तक कोई बातचीत नहीं

आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छुड़ाना चाहती हैं कांग्रेस

जम्मू ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने बिरादरी ग्राउंड, परौला पहुंचे। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा, राहुल गांधी को मैं एक बात कहना चाहता हूं कि कितना भी जोर लगा लो गुर्जर, बकरवाल पहाड़ियों और दलितों के आरक्षण को हम हाथ नहीं लगाने देने वाले...जब तक शांति नहीं होगी, पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी। शाह ने कहा, यह संयोग है कि भाजपा की पहली चुनावी रैली गणेश चतुर्थी के दिन शुरू हो रही है। आगामी चुनाव ऐतिहासिक चुनाव हैं। देश की आजादी के बाद पहली बार जम्मू-कश्मीर के मतदाता तिरंगे के नीचे अपना वोट करने वाले है।

शाह ने कहा हमारी पार्टी ने घर-घर जाकर इनके (नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस) विभाजनकारी एजेंडे के प्रति लोगों को जागरूक किया है। मैंने खुद प्रेस वार्ता कर नेशनल कांफ्रेंस व कांग्रेस के विभाजनकारी एजेंडे को उजागर किया था। लेकिन आज मैं आप सब के सामने आया हूं, क्योंकि मैं मीडिया से ज्यादा भरोसा आप पर करता हूं क्योंकि मैं भी आपकी जमात वाला हूं, मैं भी बूथ अध्यक्ष रहा हूं।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा अनुच्छेद-370 हटने से 70 साल के बाद जम्मू कश्मीर की माताओं-बहनों को अधिकार मिला है। एन व कांग्रेस पार्टी ये अधिकार छीनना चाहती है। नेशनल कांफ्रेंस व

कांग्रेस पार्टी पत्थरबाजी व आतंकवाद में लिप्त लोगों को जेल से छोड़ना चाहती है ताकि जम्मू, पुंछ, राजौरी जैसे क्षेत्र जहां शांति है, वहां फिर से आतंकवाद आए। क्या आप इन क्षत्रों में आतंकवाद को फिर से आने दोगे? जम्मू-कश्मीर में 90 सदस्यीय विधानसभा के लिए तीन चरणों में मतदान होगा। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होना है, जबकि अन्य दो चरण 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को होंगे। मतगणना 8 अक्टूबर को होगी।

ऋषि परंपरा के बल पर भारत का बजता है डंका-उपराष्ट्रपति धनखड़

चित्रकूट ।

देश के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा है कि भारत ऋषि परंपरा का देश है। यहां पर सप्त ऋषियों की पूजा होती रही है। भारत का इसी परंपरा के बल पर डंका बजता है। चारों तरफ अशांति और व्यक्ति के जीवन में तरह-तरह की कठिनाइयां हैं लेकिन भारत देश में इन सब कठिनाइयों को दूर करने के लिए ऋषि परंपरा ही समाधान है। उपराष्ट्रपति शनिवार को चित्रकूट जिले पहुंचे। राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी ने पुष्प गुच्छ भेटकर उनका स्वागत किया। चित्रकूट में अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करने के लिए उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ जगतगुरु रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय पहुंचे। जगतगुरु रामभद्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि वे त्रिवेणी हैं और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू उन्हें बड़ा भाई मानती हैं, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके मित्र हैं और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ उनके भाई हैं।

फारूक अब्दुल्ला के जम्मू-कश्मीर में शांति वाले बयान पर भड़की भाजपा

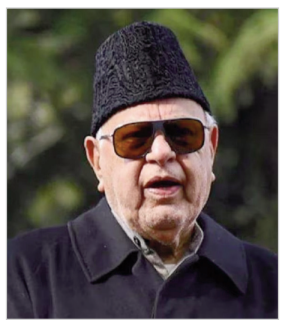

नई दिल्ली।

भाजपा प्रवक्ता शाजिया इल्मी ने कश्मीर घाटी से सेना हटाने के आह्वान पर कड़ी आपत्ति जताई और नेकां प्रमुख फारूक अब्दुल्ला को 2019 के बाद हरियाली वाले क्षेत्रों पर ध्यान देने की सलाह दी। इल्मी ने कहा कि फारूक अब्दुल्ला का बयान समझ से बाहर है। हम सभी जानते हैं कि उनके शासन के दौरान क्या हुआ था। आम कश्मीरियों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया और उनकी आजीविका नष्ट हो गई। अब जब शांति कायम हो गई है, तो वह सेना को हटाने की बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इतने सालों के बाद आखिरकार जम्मू में शांति है। लोग अब लाल चौक पर शांति से घूम सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने अनुच्छेद 370 को रद्द करने का कड़ा फैसला लिया, क्योंकि यह देश के लिए जरूरी था।बता दें एक दिन पहले फारूक अब्दुल्ला ने कहा था कि केंद्र ने कश्मीर घाटी में जबरन शांति लाने के लिए सैनिकों की कई बटालिय तैनात की हैं। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा, जाओ और जम्मू-कश्मीर की सड़कों को देखो। चारों ओर सैनिकों के बिना शांति होनी चाहिए।

इल्मी ने कथित तौर पर अवैध संपत्ति पर बनी मस्जिद से संबंधित हिमाचल प्रदेश के मुद्दे पर भी कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने पूछा, कांग्रेस पार्टी के दोहरे मानदंड हैं। जब उत्तर प्रदेश की बात आती है, तो मामले को हिंदू-मुस्लिम मोड़ दिया जाता है, लेकिन, जब शिमला की संजौली मस्जिद की बात आती है, तो यह एक मंजिल से पांच मंजिल तक चला जाता है।

अन्य राज्यों के लिए, वे सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश करते हैं, जबकि उनके द्वारा शासित राज्यों में, अवैध निर्माण वैध निर्माण जाते हैं।

हरियाणा में भाजपा से टिकट नहीं मिला..... कांग्रेस में शामिल हुए बलकौर सिंह

चंडीगढ़ ।

हरियाणा में विधानसभा चुनाव के बीच बीजेपी को बड़ा झटका लगा है। पूर्व विधायक बलकौर सिंह ने पार्टी छोड़ दी है। उन्होंने भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि मैंने 5 साल तक तन, मन और धन से भाजपा की सेवा की लेकिन मुझे कोई सम्मान या सरकारी पद नहीं दिया गया जिसके मैं हकदार हूं। इसलिए मैं भाजपा छोड़ रहा हूं और कांग्रेस में शामिल हो रहा हूं।

पूर्व विधायक सिंह को सिरसा की कालांवाली विधानसभा सीट से टिकट की उम्मीद थी, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। वह अब अन्य नेताओं के साथ दिल्ली जा रहे हैं जहां वे कांग्रेस में शामिल होने वाले है। भाजपा छोड़ने वाले अन्य सदस्यों में सिरसा जिला पार्षद, ब्लॉक समिति अध्यक्ष, ब्लॉक समिति सदस्य, सरपंच, पूर्व सरपंच, पंचायत समिति सदस्य और पूर्व नगर पार्षद शामिल हैं। बलकौर सिंह 2019 में हरियाणा विधानसभा चुनाव से पहले शिरोमणि अकाली दल से भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। वह उस समय हरियाणा विधानसभा में एकमात्र शिअद विधायक थे। उन्होंने भाजपा के टिकट पर कालांवाली सीट से चुनाव लड़ा लेकिन कांग्रेस के शीशपाल सिंह से 30,000 से अधिक वोटों के अंतर से हार गए। उन्हें इस साल भी टिकट की उम्मीद थी। जब बलकौर सिंह भगवा पार्टी में शामिल हुए, तब भी भाजपा-शिअद गठबंधन कायम था। हालाँकि, इस कदम से दोनों पार्टियों के बीच रिश्तों में खटास जरुर आई है।

शनिवार को बीजेपी छोड़ने के बाद सिंह ने भाजपा के कालांवाली उम्मीदवार राजिंदर सिंह देसुजोधा की आलोचना कर कहा कि हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने 2019 में उनके खिलाफ गंभीर आरोप लगाए थे। देसुजोधा ने टिकट से वंचित होने के बाद भाजपा छोड़ दी थी और शिअद ने उन्हें कालांवाली में मैदान में उतारा था। उन्होंने बलकौर सिंह को हराया लेकिन कांग्रेस के शीशपाल सिंह से हार गए।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा की चिंगारी.....5 लोगों की मौत

नई दिल्ली ।

मणिपुर के जिरिबाम जिले में हाल की हिंसा की लहर में करीब 5 लोगों की मौत हुई है। यह घटना मणिपुर में उग्रवादियों द्वारा बिष्णुपुर में दो स्थानों पर रॉकेट दागने के एक दिन बाद हुई, जिसमें एक बुजुर्ग की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए थे। मणिपुर में तैनात एक सुरक्षा बल के अधिकारी ने बताया कि हताहतों की संख्या और बढ़ सकती है। सुरक्षा बल अधिकारी ने कहा, सुबह उग्रवादियों ने एक गांव में घुसकर एक व्यक्ति की हत्या कर दी, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हुई। यह हत्या जातीय संघर्ष का हिस्सा है। गोलीबारी अभी भी जारी है। हमें रिपोर्ट मिली है कि मृतक कुकी और मैतेई दोनों समुदायों से हैं।

मणिपुर में पिछले डेढ़ साल से कुकी और मैतेई समुदायों के बीच जातीय संघर्ष जारी है। लेकिन हाल के दिनों में स्थिति में गंभीर वृद्धि देखी गई है, विशेषकर पिछले पांच दिनों में जब एक नई लहर की हिंसा सामने आई है। बिष्णुपुर में एक बुजुर्ग की हत्या के कुछ घंटे बाद, इंफाल में भीड़ ने 2 मणिपुर राइफल्स और 7 मणिपुर राइफल्स के मुख्यालयों पर हथियार लूटने का प्रयास किया। हालांकि, सुरक्षा बलों ने उनके प्रयासों को विफल कर दिया।

शुक्रवार को हुए हमले को मणिपुर में रॉकेट के इस्तेमाल का पहला ज्ञात मामला बताया गया है। यह हमला ड्रोन के हथियार के रूप में इस्तेमाल होने के छह दिन बाद हुआ। मणिपुर पुलिस ने कहा कि कुकी उग्रवादियों ने लंबी दूरी के रॉकेट का इस्तेमाल किया। अधिकारियों ने बताया कि रॉकेट करीब चार फीट लंबे थे। विस्फोटक को गैल्वनाइज्ड आयरन (जीआई) पाइप में भरकर एक देसी रॉकेट लांचर में फिट किया गया और एक साथ फायर किया गया। प्रोजेक्टाइल को लंबी दूरी तक ले जाने के लिए, आतंकवादियों को विस्फोटकों की मात्रा को बदलना पड़ता है। ऐसा लगता है कि वे शांति के महीनों के दौरान इसका अभ्यास कर रहे थे।

बढ़ती हिंसा को देखकर मणिपुर प्रशासन ने राज्य भर के सभी शैक्षणिक संस्थानों को शनिवार को बंद रखने का आदेश जारी किया है। मणिपुर में कुकी और मैतेई के बीच संघर्ष के दौरान उग्रवादियों ने नई तकनीकों जैसे कि ड्रोन और रॉकेट का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। इससे हिंसा की स्थिति और भी गंभीर हो गई है, जबकि राइफल और ग्रेनेड का इस्तेमाल भी जारी है।

सुरक्षा बलों ने उग्रवादियों के तीन बंकर नष्ट किए, दहशत में लोगों

बिष्णुपुर जिले में बम हमलों से उत्पन्न अशांति के मद्देनजर मणिपुर सरकार ने शनिवार को स्कूल बंद रखने की घोषणा की।

पूर्व मुख्यमंत्री मैरेम्बम कोइरेंग के आवास के परिसर में गिरा रॉकेट एक इम्प्रोवाइज्ड रॉकेट लग रहा था। सुरक्षा बल अधिकारी ने बताया, बुजुर्ग व्यक्ति परिसर में कुछ धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारी कर रहा था, तभी बम फट गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस बीच, घाटी स्थित नागरिक निकायों के एक समूह, मणिपुर अखंडता पर समन्वय समिति ने तत्काल प्रभाव से इंफाल घाटी के पांच जिलों में सार्वजनिक आपातकाल की घोषणा कर दी है। इंफाल घाटी के पांच जिलों में हजारों लोगों ने उग्रवादियों के हमलों का विरोध करने के लिए मानव श्रृंखला बनाई।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बना रहेगा

भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रेल-जून 2024 तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। पिछले लगातार 5 तिमाही के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यह सबसे कम वृद्धि दर है। हालांकि चीन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई है तथा विश्व की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर भारत की तुलना में अभी भी बहुत कम बनी हुई है।

(लेखक - प्रहलाद सबनानी)

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2024) में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर के आंकडें जारी कर दिए गए हैं एवं हर्ष का विषय है कि भारतअभी भी विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2023) में 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई थी तथा पिछली तिमाही (जनवरी मार्च 2024) में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने अप्रेल-जून 2024 तिमाही में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। पिछले लगातार 5 तिमाही के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में यह सबसे कम वृद्धि दर है। हालांकि चीन में 4.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज हुई है तथा विश्व की अन्य बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर भारत की तुलना में अभी भी बहुत कम बनी हुई है।

भारत में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद में कम हुई वृद्धि दर के पीछे कुछ महत्वपूर्ण कारण बताए गए है। प्रथम तो इस तिमाही में लोक सभा चुनाव सम्पन्न हुए हैं जिसके चलते आम जनता ने अपने खर्चे को रोक रखा था। साथ ही, लोक सभा चुनाव के समय केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों द्वारा कोई भी बड़ा निर्णय नहीं लिया जा सकता है जिसके चलते सरकारों को अपने खर्चों को नियंत्रण में रखना होता है, इससे देश की विकास दर पर प्रभाव पड़ता है। दूसरे, इस तिमाही के दौरान देश में अत्यधिक गर्मी के चलते पर्यटन एवं कृषि के क्षेत्र में विकास दर अत्यधिक कम हो गई है। कृषि के क्षेत्र में वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में वृद्धि दर केवल 2 प्रतिशत की रही है जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 3.7 प्रतिशत की रही थी। परंतु, वित्तीय वर्ष 2024-25 की द्वितीय तिमाही में मानसून ने लगभग पूरे देश में तेज गति पकड़ ली है अतः विभिन्न फसलों के बुआई के क्षेत्र में अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है इसलिए वित्तीय वर्ष 2024-25 के द्वितीय एवं तृतीय तिमाही (जुलाई-सितम्बर एवं अक्टोबर-दिसम्बर 2024) में कृषि क्षेत्र में वृद्धि दर के आकर्षक रहने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। खरीफ मौसम की फसल के साथ ही अब रबी मौसम की फसल में भी अच्छी वृद्धि दर रहने की सम्भावना है क्योंकि देश के विभिन्न जलाशयों में पानी के संचयन में भारी वृद्धि दर्ज हुई है, जिसे कृषि क्षेत्र में सिंचाई के लिए उपयोग किया जा सकेगा। इन्हीं कारणों के चलते वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेन्सी मूडीज ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में भारत के आर्थिक विकास दर के अपने अनुमान को बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है, मूडीज ने पहिले यह अनुमान 6.8 प्रतिशत का लगाया था।

विनिर्माण इकाईयों द्वारा किए गए उत्पादन में अप्रेल-जून 2024 की तिमाही में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई थी। निर्माण के क्षेत्र में 8.6 प्रतिशत एवं सेवा के क्षेत्र में 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। ट्रेड, ट्रान्स्पोर्ट, होटल, टेलिकॉम की ग्रोथ 5.7 प्रतिशत की रही है। विनिर्माण, निर्माण एवं कोर इंडस्ट्री को मिलाकर बनने वाले सेकेण्डरी सेक्टर में वृद्धि दर बढ़ी है। वित्तीय वर्ष 2023-24 की प्रथम तिमाही में यह 5.9 प्रतिशत की रही थी जो वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में बढ़कर 8.4 प्रतिशत की हो गई है। यह वृद्धि दर देश में निजी उपभोग के बढ़ने की ओर इशारा कर रही है।

विश्व में बहुत लम्बे समय से चल रहे दो युद्धों के बीच भारत की उक्त आर्थिक विकास दर अच्छी विकास दर ही कही जाएगी। एक युद्ध तो रूस यूक्रेन के बीच चल रहा है एवं दूसरा इजराईल एवं हम्मास के बीच चल रहा है। इजराईल के साथ युद्ध में तो लेबनान एवं ईरान भी कूदने को तैयार बैठें हैं। साथ ही, यूरोपीयन देशों में कुछ देशों की आर्थिक विकास दर में कमी होती दिखाई दे रही है। जापान एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्थाओं में भी विकास दर में कमी आंकी गई है। जर्मनी एवं चीन भी अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि दर को बढ़ाने हेतु संघर्ष करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जापान एवं जर्मनी में यदि विकास की रफ्तार कम होती है एवं भारत की आर्थिक विकास दर यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ती है तो शीघ्र ही भारत, जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाओं को पीछे छोड़ते हुए विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी भारत विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान एवं जर्मनी ही भारतीय अर्थव्यवस्था से थोड़ा आगे बने हुए हैं।

अर्थ से सम्बंधित कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में भारत सराहनीय प्रगति करता हुआ दिखाई दे रहा है। जैसे -

(1) पिछली तिमाही में भारत के निर्यात में 8.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि वैश्विक स्तर पर यह वृद्धि दर केवल एक प्रतिशत की रही है।

(2) बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋणों में लगातार वृद्धि दर 15 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है, विशेष रूप से कृषि के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 18.1 प्रतिशत की वृद्धि दर) एवं विनिर्माण के क्षेत्र में ऋण की मांग (जुलाई 2024 में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि दर) बनी हुई है। इससे देश की अर्थव्यवस्था के तेज गति से आगे बढ़ने के स्पष्ट संकेत दिखाई दे रहे हैं।

(3) वित्तीय वर्ष 2024-25 में जुलाई 2024 माह के अंत तक समाप्त अवधि के दौरान केंद्र सरकार की कुल आय 10.23 लाख करोड़ रुपए की रही है। यह वित्तीय वर्ष 2024-25 के आय के कुल बजट का 31.9 प्रतिशत है और इसमें 7.15 लाख करोड़ रुपए की करों की मद से आय तथा 3.01 लाख करोड़ रुपए की अन्य मदों से आय भी शामिल है।

(4) इस दौरान केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रण में रहा है एवं यह 2.77 लाख करोड़ रुपए तक सीमित रहा है जो वित्तीय वर्ष 2024-25 के कुल बजटीय घाटे का केवल 17.2 प्रतिशत ही है।

(5) इसी प्रकार विदेशी मुद्रा भंडार भी 23 अगस्त 2024 को समाप्त हुए सप्ताह में 702 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 68,168 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नए रिकार्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया है। पिछले सप्ताह में भी विदेशी मुद्रा भंडार 454 करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 67,466 करोड़ अमेरकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया था।

(6) जुलाई 2024 माह में 8 कोर सेक्टर (कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी प्रोडक्ट, उर्वरक, इस्पात, सिमेंट एवं बिजली उत्पादन के क्षेत्र) में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत की रही है जो जून 2024 माह में 5.1 प्रतिशत की रही थी।

(7) भारत में प्रत्येक 5 दिनों में एक बिलिनायर (भारतीय नागरिक जिसके पास 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति है) बन रहा है। 2014 में भारत में 109 बिलिनायर थे जो आज बढ़कर 334 हो गए हैं। जिनकी कुल सम्पत्ति 1.9 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की है जो सऊदी अरब के सकल घरेलू उत्पाद से भी अधिक है। इसी प्रकार, भारत के बिलिनायर की सम्पत्ति भारत के कुल सकल घरेलू उत्पाद के आधे से भी अधिक है। भारत की अर्थव्यवस्था तो प्रत्येक तिमाही में बढ़ रही है परंतु यदि यह सम्पत्ति केवल बिलिनायर की संख्या बढ़ाने के रूप में बढ़ रही है तो यह उचित नहीं कहा जा सकता है क्योंकि इससे तो देश में अमीरों एवं गरीबों के बीच में असमानता की खाई भी बढ़ती जा रही है और इस खाई को शीघ्र ही पाटने के प्रयास किए जाने चाहिए।

वित्तीय वर्ष 2024-25 की प्रथम तिमाही में कम हुई आर्थिक विकास दर को बढ़ाने के उद्देश्य से क्या अब भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में कमी कर सकता है। अब यह प्रश्न अर्थशास्त्रियों के मन में उभर रहा है। इस बीच अमेरिका में भी फेड रिजर्व के अध्यक्ष ने अमेरिका में ब्याज दरों को सितम्बर 2024 माह में कम करने के स्पष्ट संकेत दिए हैं।

संपादकीय

विशेष प्रदर्शन

पदकों की बरसात अभी रुकी नहीं है। पेरिस में चल रहे पैरालंपिक से जो खबरें आ रही हैं, वे हैरत में डालने वाली तो हैं ही, साथ ही गर्व से भर देने वाली भी हैं। इसमें इतने पदक मिले हैं, जितने भारत की झोली में इसके पहले कभी नहीं गिरे थे। मामला देश के दिव्यांग खिलाड़ियों द्वारा नए रिकॉर्ड बनाने का ही नहीं है, पेरिस पैरालंपिक की पदक तालिका दरअसल भारत के बदलते समाज और उसके नजरिये की कहानी भी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इस उपलब्धि से अभिभूत हैं। पदक जीतने वाले खिलाड़ियों से टेलीफोन पर बातचीत में उन्होंने कहा कि आपकी उपलब्धि पूरे देश के नौजवानों को प्रेरित करेगी। इसमें हम यह भी जोड़ सकते हैं कि यह उपलब्धि पूरे देश को एक नया आत्मविश्वास देगी, जिसकी इस समय सबसे ज्यादा जरूरत है। अंग्रेजी भाषा में दिव्यांगों के लिए पहले डिसेबल या अक्षम शब्द का इस्तेमाल होता था। अब यह शब्दावली बदल दी गई है, इसकी जगह लिखा जाता है- स्पेशली एबल्ड पर्सन, यानी विशेष क्षमता वाले व्यक्ति। सचमुच पेरिस पैरालंपिक में गए भारतीय खिलाड़ियों ने यह साबित कर दिया है कि वे विशेष क्षमता वाले खिलाड़ी हैं। वे उस धरती से पेरिस गए थे, जहां खिलाड़ियों के लिए पर्याप्त सुविधाएं और इन्फ्रास्ट्रक्चर, यानी बुनियादी ढांचा न होने का रोना अक्सर रोया जाता है। जहां किसी भी ओलंपिक खेल या अंतरराष्ट्रीय स्पर्द्धा के बाद लिखे जाने वाले वैचारिक लेखों की अंतिम पंक्तियां इसी त्रासदी की ओर इशारा करती हैं। यह दर्द भी सुनाई देता है कि क्रिकेट के अलावा किसी और खेल पर ध्यान ही नहीं दिया जा रहा। ठीक उसी दौर में ये खिलाड़ी पेरिस जाते हैं और तकरीबन हर रोज ही एक साथ ही कई पदक जीतने की खबर आती है। वे हर खेल में जीतते हैं- निशानेबाजी में, तीरंदाजी में, भारोत्तोलन में, भाला फेंकने में, लंबी कूद में, ऊंची कूद में, जूडो में- यह फेहरिस्त लंबी है। महिला खिलाड़ी भी जीतती हैं और पुरुष खिलाड़ी भी जीतते हैं। पेरिस के पैरालंपिक में भारतीय खिलाड़ियों ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक पांच स्वर्ण पदक समेत कुल 25 पदक जीत लिए हैं और वे तालिका में 17वें स्थान पर हैं। कोई चाहे, तो इसे भी संतोषजनक नहीं मान सकता है, क्योंकि अंततः भारत जैसे देश को पदक तालिका में और ऊपर जाना ही होगा। मगर इस पदक तालिका में खास चीज वह प्रगति है, जो भारतीय खिलाड़ियों ने 2020 के टोकियो पैरालंपिक से पेरिस के पैरालंपिक में की है। तब भारत को कुल 19 पदक मिले थे और वह 24वें स्थान पर था। यानी, चार साल में ही भारत ने छह स्थान की छलांग लगाई है, जो 2024 की उपलब्धि की सबसे बड़ी बात है। अब जरा इसकी तालिका की तुलना कुछ ही हफ्तों पहले हुए पेरिस ओलंपिक से करते हैं। वहां भारत ने कुल छह पदक जीते थे और उसका स्थान 71वां रहा था। भारत का प्रदर्शन उसके पिछले ओलंपिक के मुकाबले अच्छा नहीं था। तब भारत ने एक स्वर्ण समेत कुल सात पदक जीते थे और उसका स्थान 48वां था। यानी, एक ही ओलंपिक में 23 स्थान की गिरावट। भारत के विशेष योग्यता वाले खिलाड़ियों का प्रदर्शन लगातार चमक रहा है, वे ज्यादा जीत दर्ज कर रहे हैं, ज्यादा पदक हासिल कर रहे हैं, लेकिन क्यों सामान्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन इस गति से कदम नहीं मिला पा रहा? यह ऐसा सवाल है, जिस पर खेल संघों को गंभीरता से सोचना होगा।

यकीनी बने अफगान महिलाओं के हकों की बहाली

महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली अफगान महिलाओं को हिंसा का शिकार होना पड़ता है और उनके लिए अब सभी रास्ते बंद हो गए हैं। अधिकांश या तो जेलों में बंद हैं या छुपकर डर के माहौल में जी रही हैं। जिन महिलाओं ने इन नियमों का उल्लंघन किया, उन्हें जान से हाथ धोना पड़ा है। तालिबानी आतंक केवल शारीरिक दंड तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जा रहा है और कोई उनकी मदद करने के लिए आगे नहीं आ रहा, जिस कारण नारी शक्ति अफगानिस्तान में असहाय बनकर रह गई है।

तालिबानी शासन

केएस तोमर

झअगस्त, 2021 में तालिबान द्वारा अफगानिस्तान की सत्ता पर पुनः कब्जा करने के साथ ही, इससे उस देश की महिलाओं का जीवन लगभग अंधकारमय ही हो गया। एक सुनियोजित रणनीति के तहत, तालिबान नेतृत्व ने महिलाओं की स्वतंत्रता और अधिकारों पर हमला किया है। सत्ता में आने के बाद तालिबान ने वादा किया था कि वह सभी को साथ लेकर अफगानिस्तान पर शासन करेंगे, लेकिन समय के साथ उनका यह वादा झूठा साबित हो गया। एक बार फिर से पुरानी निरंकुश व्यवस्था उभर आई है, जिसमें केवल पुरुष प्रधान व्यवस्था का बोलबाला है और महिलाओं को पीछे धकेल दिया गया है। अब अफगान महिलाओं के अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। महिला अधिकारों की यह स्थिति अंतर्राष्ट्रीय समुदाय, खासकर अमेरिका के सामने एक महत्वपूर्ण प्रश्न खड़ा करती है कि मानवाधिकारों का ढोल पीटने वाला यह ताकतवर राष्ट्र अफगानिस्तान में अपनी नैतिक जिम्मेदारी को कैसे निभाएगा। अपने आर्थिक, राजनीतिक और व्यावसायिक हितों के कारण चीन और अरब राष्ट्रों ने तालिबान द्वारा महिलाओं पर किए जा रहे अत्याचारों को नजरअंदाज करना स्वीकार कर लिया है। इन देशों के इस निंदनीय रवैये के कारण विश्व के अन्य देशों द्वारा स्थिति सुधारने के प्रयास कमजोर पड़ गए हैं। समय की मांग है कि चीन और तालिबान समर्थक देश अपना रवैया बदलें और तालिबान पर दबाव डालें कि वह महिलाओं के अधिकारों को बहाल करे और उन्हें पुरुषों के समान अधिकार मिलें। हाल ही में तालिबान ने एक नया आदेश जारी किया है। इसके तहत महिलाओं को घर से बाहर निकलते समय अपना चेहरा, सिर और पूरा शरीर ढकना होगा। उन्हें अपनी आवाज पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा; ऊंची आवाज में बात करने की अनुमति नहीं है। महिलाओं के गाने और ऊंची आवाज में कुरान पढ़ना भी निषिद्ध है। पतले और पारदर्शी कपड़े पहनने पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। यह भी कि महिलाएं अपने घर में भी इतनी ऊंची आवाज में बात नहीं करें कि उनकी आवाज बाहर सुनाई दे। इन अमानवीय आदेशों के खिलाफ दुनिया के देशों को मूक दर्शक नहीं बनना चाहिए। इन आदेशों का जोरदार विरोध करना चाहिए।

भारत भी इसमें योगदान दे सकता है और उन प्रताड़ित महिलाओं को राजनीतिक शरण प्रदान कर सकता है जो खतरे में हैं। भारत अफगान महिलाओं और लड़कियों की शिक्षा के लिए धन मुहैया करवा कर तालिबानी आदेशों के प्रति अपना विरोध दर्ज करवा सकता है। भारत क्षेत्रीय समन्वय के माध्यम से तालिबान पर राजनीतिक और नैतिक दबाव बना सकता है क्योंकि अफगानिस्तान की महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण विश्व के लिए महत्वपूर्ण है।

अफगानिस्तान में महिलाओं के लिए रोजगार के अवसरों में भी भारी कटौती की गई है। सरकार के फरमानों के कारण अधिकांश व्यावसायिक व रोजगार के अवसर महिलाओं की पहुंच से बाहर हो गए हैं। महिलाएं अब घर की चारदीवारी के भीतर बंद होकर रह गई हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। बाजार और कार्यालयों में, जहां पहले महिलाओं की उपस्थिति होती थी, वहां अब केवल पुरुष ही नजर आते हैं। पहनावे पर लगे प्रतिबंधों और चेहरा ढका रहने के कारण महिलाएं अपने ही देश में गुमनाम-सी हो गई हैं।

महिला अधिकारों के लिए लड़ने वाली अफगान महिलाओं को हिंसा का शिकार होना पड़ता है और उनके लिए अब सभी रास्ते बंद हो गए हैं। अधिकांश या तो जेलों में बंद हैं या छुपकर डर के माहौल में जी रही हैं। जिन महिलाओं ने इन नियमों का उल्लंघन किया, उन्हें जान से हाथ धोना पड़ा है। तालिबानी आतंक केवल शारीरिक दंड तक ही सीमित नहीं है, बल्कि महिलाओं को मानसिक रूप से भी प्रताड़ित किया जा रहा है और कोई उनकी मदद करने के लिए आगे नहीं आ रहा, जिस कारण नारी शक्ति अफगानिस्तान में असहाय बनकर रह गई है। यद्यपि अमेरिका और अन्य देशों तथा मानवाधिकार से जुड़े संस्थानों ने तालिबान द्वारा महिलाओं के अधिकारों के दमन की निंदा की है, लेकिन किसी भी स्तर पर ऐसी कार्रवाई नहीं की गई जिसका लाभ इन शोषित महिलाओं को मिल सके। संयुक्त राष्ट्र भी अफगानिस्तान में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन तालिबान के विरोध के कारण सफल नहीं हो पाया है। हालांकि मानवीय आधार पर सहायता दी जा रही है, लेकिन इसे दीर्घकालिक समाधान नहीं कहा जा सकता। तालिबान के दखल के कारण अधिकांश सहायता सामग्री उन लोगों तक नहीं पहुंच रही जिन्हें इसकी सख्त जरूरत है। इन परिस्थितियों में, विश्व समुदाय को ठोस प्रयास करने होंगे क्योंकि अफगानिस्तान की महिलाओं की लड़ाई दुनिया की सभी महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई है। ऐसे हालात में विश्व चुप नहीं रह सकता जब एक राष्ट्र अपनी आधी आबादी को उनके अधिकारों से वंचित कर रहा हो। कुछ ऐसा सुनिश्चित करना होगा जिससे अफगान महिलाएं आश्वस्त हो सकें कि विश्व उनके साथ है, विरोधियों के साथ नहीं, क्योंकि इन हालात का दूरगामी असर विश्व भर में पड़ेगा।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

विचार मंथन

मौत की सजा प्रतिशोध? मृत्युदंड से अपराधों पर नियंत्रण नहीं

(लेखक-सनत जैन)

मौत की सजा हमेशा से विवादों में रही है। इस पर एक बार फिर बहस होने लगी है। मृत्युदंड के मुद्दे पर समाज दो धड़ों में बंटा हुआ है। एक वे लोग हैं, जो इसे न्याय मानते हैं, दूसरी ओर वे लोग हैं, जो इसे प्रतिशोध मानते हैं। मृत्युदंड की सजा की वकालत करने वाले यह मानकर चलते हैं, इससे अपराधों में कमी आएगी। जिन देशों में मृत्युदंड दिया जाता है। वहां पर भी अपराधों में कोई कमी नहीं होती है। वहां पर भी समय के साथ अपराध बढ़ रहे हैं। एक पक्ष इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन मानता है। मौत की सजा अपराधियों को सुधरने का मौका नहीं देती है। यह सिर्फ एक प्रतिशोधात्मक कदम है। जो अपराधी उत्तेजना या क्षणिक आवेश में अपराध का कारण बनता है। वह अपराधी का मूल स्वभाव नहीं होता है। ऐसी स्थिति में उसे सुधरने का मौका दिया जाना ही न्याय संगत होता है। बड़ी संख्या में लोग तर्क देते हैं, जघन्य अपराधों के लिए मौत की सजा जरूरी है। मृत्युदंड का भय अपराधियों में बना रहे, समाज में कानून का सम्मान हो। इससे अपराध कम होंगे। सवाल यह है, कि मृत्युदंड की सजा वाकई अपराध को रोकने में प्रभावी है? आंकड़े बताते हैं, कि उन देशों में जहां मौत की सजा दी जाती है। वहां अपराध की दर में कोई कमी नहीं आई है। इससे स्पष्ट है, कि मृत्युदंड की सजा भी अपराधों को रोकने में प्रभावी नहीं है। जितना मृत्युदंड के समर्थक कहते हैं। मानवाधिकारों के समर्थक मृत्युदंड को अमानवीय मानते हैं। उनका कहना है कि किसी भी स्थिति में इंसान को जीवन से वंचित करने का अधिकार किसी के पास नहीं होना चाहिए। न्यायिक गलतियों के मामले में, मृत्युदंड की सजा और भी खतरनाक साबित हो जाती है। एक बार यदि गलती से भी मृत्युदंड की सजा दे दी गई, तो उसे वापस नहीं लिया जा सकता है। कई उदाहरण हैं, जहां निर्दोष लोगों को मौत की सजा दी गई, जो बाद में न्यायालयों में गलत प्रमाणित हुईं। हाल ही में कन्हैया लाल की मौत के आरोपी को हाईकोर्ट ने जमानत दी है। केंद्रीय जांच एजेंसी एनआईए ने उसे गलत तरीके से आरोपी बनाकर जेल भेज दिया था। यदि उस घटना के तुरंत बाद उसे तत्काल न्याय के नाम पर मृत्यु दंड दे दिया जाता, तो क्या उसके साथ न्याय होता, क्या इस तरह से न्यायिक व्यवस्था को बेहतर और विश्वसनीय बनाकर रखा जा सकता है? मौत की सजा के मुद्दे पर बहस जटिल और गहरी है। यह बहस समाज के नैतिक और कानूनी ढांचे के बारे में महत्वपूर्ण सवाल उठाती है। हमारा लक्ष्य अपराधियों को सुधारना है, या उनसे बदला लेना? इसके बारे में सोचना जरूरी है।

अपराधों को कम करना है। अपराधों को नियंत्रित करने के लिए और कौन से उपाय हो सकते हैं। इस सवाल का उत्तर खोजने पर ही मौत की सजा के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदला जा सकता है। आध्यात्मिक दृष्टि से बात करें, तो जन्म और मृत्यु पर ईश्वर का अधिकार है। इसमें जब मानवीय हस्तक्षेप बढ़ता है। तो हम ईश्वर के अधिकारों की अवहेलना कर, मनमानी करना शुरू कर देते हैं। अपराधों पर नियंत्रण नैतिकता के आधार पर ही हो सकता है। यदि हम नैतिक हैं, तो अपराध करने से खुद ही अपने आप को रोकते हैं। दंड के कारण कभी अपराधों को रोका नहीं जा सकता है। मानव जीवन में क्षणिक आवेश या परिस्थितिजन्य कई बार ऐसे अपराध हो जाते हैं। जो सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किये जा सकते हैं। जिसके द्वारा अपराध हुआ है, वह अपराधी का मूल स्वभाव नहीं था। अपराधों पर नियंत्रण रखने के लिए सामाजिक व्यवस्था में दंड का प्रावधान बहुत जरूरी है। दंड इस तरह का होना चाहिए, जिसमें अपराधी को सुधरने का मौका भी हो। उसे दंड मिलेगा, तभी बाकी के लोग अपराध करने से डरेंगे। अपराध करने वाला केवल अपराधी ही नहीं होता है, बल्कि उसमें बहुत से ऐसे गुण होते हैं, जिसके कारण वह समाज का बड़ा भला भी कर सकता है। आदतन अपराधी और परिस्थिति जन्य क्षणिक आवेश में अपराध हो जाने पर, अपराधी को सुधरने का मौका देने से सभ्य समाज का निर्माण संभव है। जेलों का निर्माण इसलिए भी किया जाता है। जहां पर अपराधी को सुधरने का मौका दिया जाए। जिस अपराधी को दंडित किया गया है, वह अपने मानव जीवन में परिवार और समाज के लिए मनुष्य जीवन के कर्म करके कुछ अच्छा भी कर सकता है। अपराध को लेकर उसमें अपराध के प्रति बोध है। दंड के रूप में उसे प्रायश्चित करने का मौका मिलना ही चाहिए। किसी भी जघन्य अपराध में तत्काल फांसी देकर उसका जीवन समाप्त कर देना, एक तरह का प्रतिशोध है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संकट में बायजू.....ऑडिटर बीडीओ ग्लोबल का इस्तीफा

नई दिल्ली । एडटेक सेक्टर की दिग्गज भारतीय कंपनी बायजू के ऑडिटर बीडीओ ग्लोबल ने कंपनी के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही शुरू होने के बाद मांगे गए कागजात न मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। बायजू ने डॉक्यूमेंट उपलब्ध कराने में अपनी असमर्थता का बचाव कर कहा कि ये डॉक्यूमेंट कंपनी के बोर्ड से मांगे गए थे, जिसे दिवालिया प्रक्रिया के कारण निलंबित कर दिया गया था।

एडटेक फर्म ने कहा कि डॉक्यूमेंट की मांग करने वाले बीडीओ के ईमेल में निलंबित बोर्ड को संबोधित किया गया था, न कि उस समय कंपनी पर नियंत्रण रखने वाले दिवाला पेशेवर को। बायजू ने बीडीओ के इस्तीफे की एक फॉरेंसिक ऑडिट की भी मांग की है, जिसे सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त दिवाला पेशेवर द्वारा किया जाना चाहिए।दरअसल जनरल अटलांटिक द्वारा समर्थित बायजू का मूल्यांकन 2022 में 22 अरब डॉलर आंका गया था, लेकिन कई नियामक मुद्दों के कारण एडटेक कंपनी संकटों से दो-चार हो रही है। हाल ही में अमेरिकी बैंकों के साथ विवाद के कारण कंपनी की हालात और खराब हो गई, जो 1 अरब डॉलर का बकाया मांग रहे हैं।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट से एसबीआई की रेटिंग घटी

नई दिल्ली । भारतीय शेयर बाजारों में तीन हफ्तों से जारी तेजी उसी तेजी के साथ गिरावट की ओर बढ़ रही है। अमेरिकी जॉब मार्केट में आई मंदी का असर शेयर बाजार में पड़ा है। निफ्टी 29295 अंक (1.17त्न) गिरकर 24,852 अंक पर, बीएससी का सेंसेक्स 1017.23 अंक (1.25त्न) की गिरावट के साथ 81,170 अंक पर बंद हुआ है। बैंकिंग शेयर में प्रमुख रूप से एसबीआई के शेयरों में 4.4त्न की गिरावट हुई, एसबीआई के शेयरों की गिरावट का मुख्य कारण गोल्डमैन सैक्स द्वारा बैंक की रेटिंग घटाकर बेचो श्रेणी में डाल दिया है। गोल्डमैन सैक्स ने एसबीआई का लक्ष्य प्राइज घटाकर 742 रुपये कर दिया है। बैंक का बढ़ती लोन प्रोविजनिंग और घटती ब्याज आय के कारण स्टेट बैंक की रेटिंग कम हो गई है। जिसके कारण शेयर बाजार में स्टेट बैंक के शेयर की बिकवाली से बैंक की हालत नाजुक हो गई है।

शेयर बाजार में सरकारी बैंकों की हालत खस्ता, निजी बैंकों की स्थिति बेहतर

नई दिल्ली । अमेरिका के जॉब मार्केट में सरकारी क्षेत्र के बैंकों की हिस्सेदारी का शेयर तीन महीनों से प्राइवेट बैंकों की तुलना में कम हो रहा है। विशेषज्ञों का कहना है, सरकारी बैंकों के डिपॉजिट घट रहे हैं। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक भी सरकारी बैंकों में अपनी हिस्सेदारी कम कर रहे हैं। यह घटनाक्रम उस समय हो रहा है। जब बीएसई, एनएसई और बैंक निफ्टी जैसे सूचकांक ऊंचे स्तर पर बने हुए हैं। शेयर मार्केट एक्सपर्ट मानते हैं, मौजूदा स्थिति में सरकारी बैंकों के लिए शेयर बाजार में अपनी हिस्सेदारी को मजबूत बनाए रखने की दिशा में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं निजी बैंकों की स्थिति शेयर मार्केट में सरकारी बैंकों से अधिक मजबूत है।

लिथियम बैटरी की कीमत में 50 फ़ीसदी की कमी

नई दिल्ली । दुनियाभर में सौर और विंड एनर्जी जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग तेजी से,बढ़ रहा है। ईवी (इलेक्ट्रिक व्हीकल) की मांग में कमी के चलते अब बैटरी निर्माताओं ने बिजली स्टोरेज पर ध्यान केंद्रित करना शुरू कर दिया है। 2023 में लिथियम बैटरी के बाजार में 1.25 लाख करोड़ रुपए का अनुमान है। 2040 तक 250 लाख करोड़ तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। इस बदलाव की वजह से, कंपनियां अब बिजली को सौर और विंड ऊर्जा से स्टोर करने के लिए बैटरियों का निर्माण और उपयोग करने पर काम कर रही हैं। लिथियम बैटरी की कीमतें 2019 से 50त्न तक कम हो गई है। जिससे यह बिजली स्टोरेज के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गई हैं। भारत में भी अब कोयला और अन्य पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों की जगह बैटरी स्टोरेज की तरफ रुझान बढ़ रहा है। जिससे भविष्य में स्थायी ऊर्जा के उपयोग में वृद्धि होना तय है।

एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक'.....नीति पर काम कर रही मोदी सरकार

केंद्रीय वित्त मंत्रालय आरआरबी को एकीकृत करने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्रालय 'एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक' नीति के तहत क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) को एकीकृत करने की योजना बना रहा है। इसका मकसद क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की दक्षता को सुधारना और प्रायोजक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अनुचित प्रतिस्पर्धा को रोकना है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया, 'एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति पर विचार हो रहा है और इस पर काम चल रहा है। हमारा लक्ष्य क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की संख्या को मौजूदा 43 से कम कर करीब 30 करने की है।'

मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि इसके परिणामस्वरूप प्रदर्शन के आधार पर एक राज्य के भीतर क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का एक प्रायोजक बैंक में विलय होगा। इससे प्रत्येक राज्य में एक प्रायोजक बैंक होगा जो उस राज्य के अन्य ग्रामीण बैंकों की परिसंपत्तियों को अपने में मिलाएगा। अधिकारी ने कहा, 'ग्रामीण बैंकों की संख्या नहीं ब ल्कि गुणवत्ता बहुत महत्त्वपूर्ण है। प्रौद्योगिकी को बेहतर करने और मोबाइल बैंकिंग की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है। एक राज्य, एक ग्रामीण बैंक नीति से इसमें मदद होगी और उनके बीच अनावश्यक प्रतिस्पर्धा भी कम होगी।' क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय स्तर पर खोले जाते हैं और इनका मकसद ग्रामीण क्षेत्रों को वित्तीय सेवाएं देना होता है। इस तरह के बैंकों को आरआरबी अधिनियम, 1976 के तहत केंद्र, राज्य सरकार और प्रायोजक बैंकों की ओर से पूंजी प्रदान की जाती है। देश का सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक सर्वाधिक 14 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रायोजक है। इसके बाद पंजाब नैशनल बैंक 9, केनरा बैंक 4, बैंक ऑफ बड़ौदा तथा इंडियन बैंक 3-3, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया 2, यूको बैंक, जम्मू एंड कश्मीर बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक और बैंक ऑफ महाराष्ट्र 1-1 क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक के प्रायोजक हैं।वहीं राज्यों में आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल में 3-3 आरआरबी हैं, जबकि बिहार, गुजरात, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, राजस्थान, तेलंगाना में 2-2 आरआरबी हैं। वित्त वर्ष 2024 में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों ने अभी तक का सर्वाधिक 7,571 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था और उनके सकल गैर-निष्पादित आस्तियों का अनुपात 6.1 फीसदी रहा, जो 10 साल में सबसे कम है।

देश के पहले एटीएम सुविधा देने वाले बैंक ऑफ इंडिया के 118 साल पूरे

नई दिल्ली । देश के बड़े सरकारी बैंकों शुमार बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) की स्थापना को 118 साल पूरे हुए हैं। बीओआई को 7 सितंबर 1906 को मुंबई के व्यापारिक समुदायों (पारसी, भाटिया, गुजराती बनिया, बोहरा मुस्लिम और यहूदी) के प्रमुख लोगों द्वारा 50 लाख रुपये की पूंजी के साथ स्थापित किया गया था। इस मुख्य संस्थापक शापुरजी ब्रोचा थे, जो कि बैंक के पहले बोर्ड में भी शामिल थे। इंदिरा सरकार की ओर से बैंक का राष्ट्रीयकरण करने तक बैंक निजी हाथों में था, लेकिन जुलाई 1969 में राष्ट्रीयकरण होने के बाद बैंक की कमान सरकार के हाथ में आ गई।समय के साथ-साथ बैंक ने अपने कारोबार में बदलाव किया। यह 1982 में हेल्थ कोड सिस्टम लागू वाले पहले बैंक में से एक था, इसकी मदद से बैंक अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो को रेटिंग दे सकता था। इसके अलावा बैंक ऑफ इंडिया भारत में स्विफ्ट के पहले संस्थापक बैंकों में एक था। बैंक की ओर से 1989 में मुंबई की महालक्ष्मी शाखा में एटीएम सुविधा की शुरुआत की गई थी। यह सरकारी बैंकों में देश की पहली कंप्यूटराइज्ड शाखाओं में से एक थी। बैंक की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार बैंक ऑफ इंडिया 1997 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ था। इसके बाद फरवरी 2008 में बैंक में पहली बार क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) आया था।मौजूदा समय में बैंक का कारोबार भारत के साथ विदेशों में भी फैला हुआ है। भारत में बीओआई की 5,100 से ज्यादा ब्रांच हैं। इसके साथ ही 69 जोनल ऑफिस और 13 एफजीएमओ ऑफिस है। बैंक ऑफ इंडिया का कारोबार भारत के अलावा 15 देशों में फैला हुआ है। 4 सहायक कंपनियों को मिलाकर बैंक के साथ विदेशों में 47 शाखाएं हैं। इसके अलावा एक प्रतिनिधि ऑफिस और एक ज्वाइंट वेंचर हैं, जो कि टोक्यो, सिंगापुर, हांगकांग, लंदन, पेरिस, न्यूयॉर्क और दुबई में स्थित हैं।

दलाल स्ट्रीट हुआ लाल.....

पांच लाख करोड़ रुपये स्वाहा

सितंबर में अब तक अमेरिकी बाजार नहीं चढ़ा

मुंबई ।

शेयर बाजार के लिए यह महीना अब तक अच्छा नहीं रहा है। अमेरिकी शेयर बाजार इस माह में अब तक एक भी दिन नहीं चढ़ा है। एक हफ्ते में ही एसएंडपी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों का मार्केट कैप 2.2 ट्रिलियन डॉलर कम हो चुका है।

ऐतिहासिक रूप से सितंबर का महीना शेयर मार्केट्स के लिए अच्छा नहीं रहता है। यहां वहीं महीना रहा है जब शेयर मार्केट्स ने औसत निगेटिव रिटर्न दिया है। शुक्रवार को भारत सहित दुनियाभर के शेयर मार्केट में गिरावट आई। सेंसेक्स कारोबार के दौरान 1,200 अंक तक गिरा जिससे निवेशकों के पांच लाख करोड़ रुपये स्वाहा हो गए।

अमेरिकी कंपनियों में सबसे ज्यादा गिरावट एलन मस्क की कंपनी टेस्ला के शेयरों में रही। कंपनी के शेयरों में 8.45 फीसदी गिरावट आई।

इसके साथ ही कंपनी दुनिया की सबसे ज्यादा मूल्यवान कंपनियों की लिस्ट में 11वें नंबर पर पहुंच गई। एनवीडिया और गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के शेयरों में चार फीसदी से अधिक गिरावट देखी गई।

जबकि ऐमजॉन और फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के शेयर तीन फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए।

इस गिरावट से अमेरिका के टॉप अरबपतियों की नेटवर्थ में भी गिरावट आई।

मस्क को सबसे ज्यादा 13 अरब डॉलर का भारी नुकसान हुआ।

वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख

और विदेशी कोषों की ताजा निकासी की वजह से घरेलू शेयर बाजारों में भारी गिरावट दर्ज हुई। सेंसेक्स 1,017 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी ने 293 अंक का गोता लगाया।

यह घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट का लगातार तीसरा सत्र रहा। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में एसबीआई में सर्वाधिक चार प्रतिशत की गिरावट दर्ज हुई। इसके अलावा एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक्नोलॉजी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और आईटीसी के शेयरों में भी नुकसान रहा।

दूसरी तरफ बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, जेएसडब्ल्यू स्टील और मारुति सुजुकी के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए।जानकारों का कहना है कि घरेलू बाजार में निकट अवधि का रुझान अमेरिका में रोजगार के आगामी आंकड़ों से प्रभावित होगा।

चांदी की मांग बढ़ने से चांदी की कीमतों में तेजी

90000 रुपए तक जाएगी चांदी की कीमत

नई दिल्ली । दुनिया भर के देशों में औद्योगिक मांग के चलते चांदी का उपयोग बढ़ता क्या रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी की मांग बढ़ रही है। 5जी तकनीकी, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सोलर पैनल और मेडिकल उपकरणों में चांदी का प्रयोग लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक स्तर पर चांदी की मांग ज्यादा है। उस तुलना में आपूर्ति कम हो रही है। जिसके कारण बाजारों में चांदी के दामों में लगातार वृद्धि देखने को मिल रही है। 2023 में मांग की तुलना में 4026 टन कम चांदी की आपूर्ति हुई थी। 2024 में 7513 टन चांदी की कम आपूर्ति होने की संभावना है। जिसके कारण चांदी के दाम 90000 रुपए किलो तक पहुंचने की बाजार में धारणा है। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी के भाव 83338 रुपए पर हैं। जो इस साल के अंत तक 90000 पर पहुंच जाएंगे। जिसके कारण बाजार में चांदी के दाम में तेजी बनी हुई है।

सोमवार को दलाल स्ट्रीट पर दस्तक, बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का आईपीओ

मुंबई ।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) सोमवार को दलाल स्ट्रीट पर दस्तक देगा। साल 2024 का यह सबसे बड़ा आईपीओ दांव लगाने के लिए 11 सितंबर 2024 तक खुला रहेगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 66-70 रुपये प्रति शेयर तय किया है।बजाज ग्रुप की ये नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी (एनबीएफसी) 6,560 करोड़ रुपये का फंड जुटाकर अब सार्वजानिक होना चाहती है। यह मेनबोर्ड पब्लिक इश्यू ताजा शेयरों और बिक्री के लिए ऑफर (ओएफएस) का मिला-जुला रूप है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस इस आईपीओ के तहत 3,560 करोड़ रुपये का फ्रेश इश्यू (नए शेयर) जारी करेगी और 3,000 करोड़ रुपये ओएफएस (ऑफर फॉर सेल) के द्वारा जुटाएगी। इश्यू का करीब 50 फीसदी योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी) के लिए, 15 फीसदी गैर-संस्थागत निवेशकों के लिए और बाकी 35 फीसदी खुदरा निवेशकों के लिए रिजर्व है।

रिपोर्ट के अनुसार, बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ का ग्रे मार्केट प्रीमियम (जीएमपी) 50 रुपये है। इसका मतलब है कि बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ जीएमपी (ग्रे मार्केट प्रीमियम) आज 50 रुपये है। यह संकेत देता है कि इश्यू के प्राइस बैंड की ऊपरी सीमा पर कंपनी के शेयरों के 120 रुपये के भाव पर लिस्ट होने की संभावना है।

कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी लिमिटेड, बोफा सिक्योरिटीज इंडिया लिमिटेड, एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड, जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड और आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर (बीआरएलएम) हैं, जबकि केफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड इस इश्यू का रजिस्ट्रार है। सिरिल अमरचंद मंगलदास हाउसिंग फाइनेंसर के कानूनी सलाहकार हैं।

'टी+3' लिस्टिंग नियम के मद्देनजर, बजाज हाउसिंग फाइनेंस के शेयरों के आवंटन को 12 सितंबर 2024 को अंतिम रूप दिए जाने की संभावना है। इसी

तरह से प्राइमरी मार्केट में बजाज ग्रुप की एनबीएफसी कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 16 सितंबर 2024 होने की सबसे अधिक संभावना है। बता दें कि बजाज फाइनेंस बजाज हाउसिंग फाइनेंस की मूल कंपनी है। बजाज हाउसिंग फाइनेंस को सितंबर 2015 में एक एनबीएफसी के रूप में नेशनल हाउसिंग बैंक के साथ रजिस्टर किया गया था। कंपनी रेजिडेंशियल और कमर्शियल प्रॉपर्टीज को खरीदने और रिनोवेट करने के लिए लोन देती है।

वॉल स्ट्रीट में फिर भारी गिरावट.....चिंतित दुनिया भर के निवेशक

नई दिल्ली । शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट में फिर भारी गिरावट देखने को मिली। अमेरिकी रोजगार बाजार के बारे में बहुप्रतीक्षित अपडेट इतना कमजोर आया। इसके बाद में पहले ऊंची छलांग लगाने वाले प्रौद्योगिकी शेयरों को फिर से नुकसान उठाना पड़ा। इससे अर्थव्यवस्था को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। एसएंडपी 500 में 1.7 प्रतिशत की गिरावट आई और यह मार्च, 2023 के बाद से इसका सबसे खराब सप्ताह रहा। ब्रॉडकॉम, एनवीडिया और अन्य प्रौद्योगिकी कंपनियों ने बाजार को नीचे गिरा दिया, क्योंकि इस बात की चिंता बनी हुई थी कि कृत्रिम मेधा (एआई) के इर्द-गिर्द उछाल में उनकी कीमतें बहुत अधिक बढ़ गई थीं, और उन्होंने नैस्डैक कंपोजिट को बाजार में 2.6 प्रतिशत तक नीचे खींच लिया। सुबह की 250 अंकों की बढ़त को खत्म करने के बाद डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल औसत में 410 अंक या एक प्रतिशत की गिरावट आई।रोजगार रिपोर्ट आने के बाद बॉन्ड मार्केट में भी तेज उतार-चढ़ाव देखने को मिला, जहां ट्रेजरी यील्ड में गिरावट आई, फिर सुधार हुआ और फिर गिरावट आई। रिपोर्ट में दिखाया गया कि अगस्त में अमेरिकी नियोक्ताओं ने अर्थशास्त्रियों की अपेक्षा से कम कर्मचारियों को काम पर रखा। इसे साल की सबसे महत्वपूर्ण रोजगार रिपोर्ट के रूप में पेश किया गया था, और इसने लगातार दूसरे महीने दिखाया कि भर्ती पूर्वानुमानों से कम रही। इसके बाद हाल ही में विनिर्माण और अर्थव्यवस्था के कुछ अन्य क्षेत्रों में कमजोरी दिखाने वाली रिपोर्ट भी आई।

अडानी समूह अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में उतरेगा.....महाराष्ट्र में लगाएगा प्लांट

मुंबई । गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी समूह अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में प्रवेश करने वाला है। अडानी समूह इजरायल के टावर सेमीकंडक्टर के साथ मिलकर महाराष्ट्र में 10 अरब डॉलर (83 हजार करोड़ रुपये) की लागत से सेमीकंडक्टर प्लांट लगाएगा। महाराष्ट्र की शिंदे सरकार ने उच्च-प्रौद्योगिकी वाली चार विशाल परियोजनाओं को मंजूरी दी है,इसमें अडानी समूह की टावर सेमीकंडक्टर के साथ साझेदारी वाली परियोजना भी शामिल है। इन परियोजनाओं में कुल 1.17 लाख करोड़ रुपये का निवेश होने की उम्मीद है।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अध्यक्षता में राज्य मंत्रिमंडल की उद्योग विभाग संबंधी उप-समिति की बैठक में इन परियोजनाओं को मंजूरी दी गई। सीएम आवास की ओर से जारी बयान में इन परियोजनाओं के तहत सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में निवेश होगा। अडानी समूह अभी तक बंदरगाह, ट्रांसमिशन, सीमेंट और कोयला कारोबार में हैं। चिप निर्माण के क्षेत्र में कदम रखना समूह के लिए बिल्कुल नया अनुभव होगा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पोस्ट में बताया कि अडानी-टावर गठजोड़ मुंबई के बाहरी इलाके तलोजा में यह चिप निर्माण संयंत्र लगाएगा। परियोजना के पहले चरण में 58,763 करोड़ और दूसरे चरण में 25,184 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इस परियोजना पर कुल निवेश 83,947 करोड़ रुपये का होगा जिससे 15,000 लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद है। इस संयंत्र में शुरुआत में 40 हजार वेफर्स बनाएगा। जबकि दूसरे चरण में यह क्षमता प्रति माह 80,000 होगी। राज्य मंत्रिमंडल की उद्योग विभाग संबंधी उप-समिति ने अडानी के प्रोजेक्ट्स सहित चार परियोजनाओं को मंजूरी दी है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया पुणे में एक यूनिट स्थापित करेगी, जिसमें एकीकृत दृष्टिकोण अपनाते हुए 12,000 करोड़ रुपये का निवेश और 1,000 नौकरियों का सृजन किया जाएगा। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर कंपनी राज्य की इलेक्ट्रिक वाहन प्रोत्साहन नीति के तहत छत्रपति संभाजीनगर में एक ई-वाहन निर्माण परियोजना स्थापित करेगी, जिसमें कुल 21,273 करोड़ रुपये का निवेश होगा। इससे 12,000 नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। पिछले दो महीनों में स्वीकृत परियोजनाओं का कुल मूल्य 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।इससे 35,000 नौकरियों के सृजन की संभावना है।

टाटा सन्स कंपनी ने कमाया मुनाफा, चंद्रशेखरन की 20 फीसदी बढ़ी सैलरी

नई दिल्ली ।

टाटा ग्रुप की टाटा सन्स प्राइवेट लिमिटेड के कार्यकारी चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का वेतन वित्त वर्ष 2023-24 में 19.8 फीसदी से बढ़कर 135.3 करोड़ रुपए हो गया है। यह टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी के मुनाफे पर आधारित कमीशन में बढ़ोतरी के कारण हुआ है।टाटा सन्स की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक चंद्रशेखरन को 121.5 करोड़ रुपए का कमीशन प्राप्त हुआ, जबकि बाकी उनका वेतन और सुविधाएं थीं।

टाटा सन्स के सभी डायरेक्टर्स के कुल पारिश्रमिक में 16 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और कंपनी ने अपने टॉप डायरेक्टर्स को 200 करोड़ रुपए का भुगतान किया है जो वित्त वर्ष 2022-23 में 172.5 करोड़ रुपए था। इसी अवधि में टाटा सन्स के कर्मचारियों के वेतन और पारिश्रमिक में 2.5 फीसदी की बढ़ोतरी हुई और यह 441 करोड़ रुपए हो गया।दिलचस्प बात यह है कि भारत की टॉप लिस्टिड कंपनियों में कार्यकारी पारिश्रमिक की वृद्धि वित्त वर्ष 2024 में धीमी हो गई। जैसा कि बिजनेस स्टैंडर्ड रिसर्च ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है, बीएसई 200 कंपनियों के प्रमुख प्रबंधकीय कर्मचारियों या टॉप मैनेजमेंट का कुल पारिश्रमिक वित्त वर्ष 2023-24 में 3.9 फीसदी बढ़कर 8,304 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले वर्ष 7,990 करोड़ रुपए था।

यह पिछले चार सालों में एग्जिक्यूटिव कंपेंजेशन में सबसे धीमी बढ़ोतरी थी।

टोर्नेडो कैश के जरिए हैकर्स ने एथेरियम ईटीएफ की लूट की

नई दिल्ली ।

2,000 करोड़ रुपए (लगभग 234 मिलियन) की वजीर एक्स चोरी के पीछे के हैकर्स ने चुराए गए डिजिटल संपत्तियों को निकालना शुरू कर दिया है और टोर्नेडो कैश प्लेटफॉर्म के माध्यम से 12 मिलियन डॉलर से अधिक की मनी लॉन्ड्रिंग की है। रिपोर्ट के अनुसार, टोर्नेडो कैश के जरिए हैकर्स ने 12 मिलियन डॉलर से अधिक की एथेरियम (ईटीएफ) की लूट की है, जिसमें लगभग 2 मिलियन डॉलर की ईटीएफ की जमा भी शामिल है।

हैकर ने 5,000 ईटीएफ (जिसकी कीमत 12 मिलियन है) को एक नए पते पर ट्रांसफर किया है और चुराए गए फंड्स की मनी लॉन्डरिंग के टोर्नेडो कैश माध्यम से शुरू कर दी है।

रिपोर्ट के अनुसार, वजीर एक्स हैकर्स की मनी लॉन्डरिंग तकनीक उत्तर कोरिया समर्थित समूह की तकनीक से मिलती-जुलती है, जो वैश्विक क्रिप्टो चोरी के मामलों में शामिल है।

वजीर एक्स ने स्वीकार किया है कि इसके लगभग 43 प्रतिशत उपयोगकर्ता डिजिटल संपत्तियों की चोरी के कारण अपने पैसे खो सकते हैं। प्लेटफॉर्म ने कहा है कि ग्राहकों को संभवतः अपने निवेश का 43 प्रतिशत हिस्सा खोना पड़ सकता है। वजीर एक्स ने सिंगापुर हाईकोर्ट से छह महीने की सुरक्षा की मांग की है जबकि वह अपने दायित्वों का पुनरवर्गन कर रहा है।

भारतीय क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कॉइनस्विच ने वजीर एक्स पर मुकदमा दायर किया है ताकि शेटटी द्वारा संचालित प्लेटफॉर्म पर फंसे हुए फंडों की वसूली हो सके। विशेषज्ञों

के अनुसार, इस साइबर अपराध के पैमाने को देखते हुए एक गहन जांच की आवश्यकता है। यह मामला भारत में क्रिप्टो ट्रेडिंग के लिए प्रभावी नियमन और नियमों की बढ़ती आवश्यकता को रेखांकित करता है।

भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और व्यापारिक मार्गों पर निर्भरता कम होगी: पीयूष गोयल

नई दिल्ली।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रस्तावित भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) से भारत की समुद्री सुरक्षा बढ़ेगी और देश के कुछ व्यापार मार्गों पर निर्भरता कम हो जाएगी। भारत और भूमध्यसागरीय देशों के बीच संबंध बढ़ने पर पर्यटन के क्षेत्र के लिए भी काफी संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, 'पर्यटन से सांस्कृतिक और आर्थिक जुड़ाव होता है, जिसका हमें तेजी से दोहन करने की जरूरत है। हमें इसके लिए कार्यसमूह गठित करना चाहिए।' भूमध्यसागर के आसपास का क्षेत्र भूमध्यसागरीय क्षेत्र कहलाता है। इस इलाके में यूरोप, अफ्रीका और एशिया के देश शामिल हैं।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से आयोजित भारत-भूमध्यसागरीय व्यापार सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि आईएमईसी कम लॉजिस्टिक लागत पर त्वरित संपर्क मुहैया कराएगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि भारत और भूमध्य सागर के देशों के लोगों के बीच संपर्क बढ़ना एक अच्छी शुरुआत है, जिससे आगे चलकर बेहतर कारोबारी संबंध विकसित हो सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इन देशों के साथ ब्लू इकोनॉमी, अक्षय ऊर्जा, डिजिटलीकरण, टेक्सटाइल, फार्मा, सूचना तकनीक (आईटी), विनिर्माण और कृषि क्षेत्र में संबंध बढ़ाने की अपार संभावना है। उन्होंने कहा, 'संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, जॉर्डन, इजरायल और यूरोपीय संघ होते हुए भारत, पश्चिम एशिया और यूरोप को जोड़ने के मकसद से भारत की अध्यक्षता में हुए जी20 सम्मेलन में आईएमईसी की शुरुआत की गई थी।

इससे भारत की सामुद्रिक सुरक्षा बढ़ेगी और रणनीति के हिसाब से भारत की महज कुछ मार्गों पर निर्भरता कम होगी, जो इस समय हमारी सामुद्रिक सुरक्षा के हिसाब नुकसानदेह है।

पाकिस्तान को गौतम गंभीर जैसे सख्त कोच की जरूरत, बांग्लादेश से हार के बाद बोला पूर्व पाक क्रिकेटर

बेंगलुरु (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने सुझाव दिया है कि पाकिस्तान को लगातार खराब नतीजों के बाद मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह अपनी समस्याओं को सुलझाने के लिए गौतम गंभीर जैसे सख्त कोच की जरूरत है। वनडे विश्व कप 2023 में खराब प्रदर्शन के बाद पाकिस्तान ने गैरी कर्स्टन को व्हाइट-बॉल कोच और जेसन गिलेस्पी को टेस्ट के लिए नियुक्त किया। हालांकि यह बदलाव कमाल नहीं कर पाया क्योंकि पाकिस्तान का टी20 विश्व कप 2024 में खराब प्रदर्शन रहा, जहां वे ग्रुप स्टेज के बाद बाहर हो गए।

उन्हें हाल ही में बांग्लादेश से 2-0 के स्कोरलाइन के साथ शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। कनेरिया ने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट में सब कुछ हल्के में लिया जाता है और वे कप्तान बदलते रहते हैं। कनेरिया ने कहा कि अगर वह किसी को कप्तान बनाते हैं तो उसे एक साल के लिए टीम की अगुआई करने की अनुमति दी जाएगी, बशर्ते वह व्यक्ति अच्छा प्रदर्शन करे। पूर्व स्पिनर ने कहा कि कोच को कड़े फैसले लेने की जरूरत है।

कनेरिया ने कहा, 'सब कुछ हल्के में लिया जाता है; इसलिए पाकिस्तान क्रिकेट का पतन कप्तान बनाने, कप्तान बदलने से हुआ है। यह काम नहीं करेगा। अपने कप्तान से चिपके रहो, उसके साथ रहो। ठीक है, मैंने उसे एक साल के लिए कप्तान बनाया है। मैं उससे पूछूंगा। मैं उससे एक साल बाद जवाब देने के लिए कहूंगा। कोई भी उसे नहीं छूएगा। तुम्हें मेरा पूरा समर्थन है, लेकिन तुम्हें प्रदर्शन करने की जरूरत है। अगर तुम प्रदर्शन नहीं करते हो, तो तुम बाहर हो जाते हो इसलिए यही बात है कि तुम्हें कठोर निर्णय लेने होंगे। अगर तुम कठोर निर्णय नहीं लेते हो, तो चीजें काम नहीं करेंगी।'

कनेरिया को लगता है कि भारत जैसी टीमें गंभीर जैसे कोच की मौजूदगी के कारण सफल हो रही हैं, जो सीधे आपके सामने होते हैं। उन्होंने कहा, 'आज दूसरी टीमें इतना अच्छा क्यों कर रही हैं? भारतीय टीम इतना अच्छा क्यों कर रही है? उनके पास राहुल द्रविड़ थे जिन्होंने टीम के साथ बहुत अच्छा काम किया, अब उनके पास गौतम गंभीर हैं, एक शानदार क्रिकेटर और शानदार इंसान। जिस तरह से वह प्रतिक्रिया करते हैं, वह उनके चेहरे पर दिखता है। वह पीछे नहीं हटते और चुगली नहीं करते, वह सीधे चेहरे पर है। आपको ऐसा ही होना चाहिए। आपको मजबूत होना चाहिए और एक मजबूत व्यक्ति की तरह आपको चेहरे पर फैसला लेना चाहिए, पीछे से नहीं।' भारत के कोच के रूप में गंभीर का अगला काम बांग्लादेश के खिलाफ होगा।

पैरालंपिक खेल: होकाटो सेमा ने शॉटपुट स्पर्धा में जीता कांस्य पदक

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय एथलीट होकाटो सेमा ने पहली बार पैरालंपिक खेलों में भाग लेते हुए पुरुषों की शॉटपुट एफ57 के फाइनल मुकाबले में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता। नागालैंड के रहने वाले एथलीट होकाटो सेमा ने शुक्रवार देर रात खेले गए गोला फेंक मुकाबले मे 14.65 मीटर के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे और कांस्य पदक अपने नाम किया।

इसके साथ पैरालंपिक में छह स्वर्ण, नौ रजत, 12 कांस्य के साथ भारत के पदकों की संख्या 27 हो गई है। इस स्पर्धा में ईरान के यासिन कोसावनी ने 15.96 मीटर थ्रो के साथ स्वर्ण पदक और वहीं थिएगो पॉलिनो ने 15.06 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक मिला। 24 दिसंबर 1983 को जन्में होकाटो सेमा नागालैंड के किसान परिवार से आते है।

वह सेना में थे और वर्ष 2002 में जम्मू कश्मीर के चौकीबल में आंतकवाद विरोधी अभियान में होकाटो सेमा ने भाग लिया। इस दौरान बारूदी सुरंग में विस्फोट उन्हें अपना बायां पैर गवांना पड़ा। पैर गवाने के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और कई चुनौतियों के बावजूद उन्होंने 2016 में पैरा एथलीट बनने की ओर रूख किया। सेमा ने एशियाई पैरा खेल 2022 (2023) कांस्य पदक, विश्व चैम्पियनशिप 2024 में चौथा स्थान पर रहे और मोरक्को ग्रैंड प्रिक्स 2022 में रजत पदक जीता।

डीआरएस से बल्लेबाजों को तकनीक सुधारने में सहायता मिलेगी : अश्विन

बेंगलुरू (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज स्पिनर अनुभवी ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि घरेलू क्रिकेट सत्र में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) लाने से होने वाला लाभ आने वाले दिनों में दिखने लगेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने यहां दलीप ट्रॉफी से शुरु हुए घरेलू सत्र में डीआरएस तकनीक का इस्तेमाल शुरु कर दिया है। अश्विन के अनुसार डीआएस आने से बल्लेबाजों को अपनी तकनीक में सुधार करने में सहायता मिलेगी।

अश्विन ने कहा कि दिलीप ट्रॉफी में भारत डी की ओर से खेले रहे बल्लेबाज रिकी भुई की बल्लेबाजी तकनीक की कमजोरी डीआरएस से ही सामने आई। इसमें दिखा कि उन्होंने पैड के पीछे बल्ला रखा जिसके आउट होने में अहम भूमिका निभाई। इसलिए घरेलू क्रिकेट के लिए डीआरएस केवल एलबीडब्लू को लेकर सही फैसले लेने के लिए ही नहीं बल्कि बल्लेबाज की तकनीकी कमी को सामने लायेगा।

अश्विन ने कहा, डीआरएस से पहले के दिनों में बल्लेबाजों को एलबीडब्लू की अपील पर संदेह का लाभ मिलता था इसलिए इसलिए उसे नॉट आउट दिया जाता था क्योंकि वे फुट फुट पर आ जाते थे। वहीं अब अपने बल्ले को पैड के पीछे रखना नुकसान रहेगा। ऐसे में एक ही गलती दोहराने के कारण उसका करियर भी खतरे में आ सकता है। पिछले काफी समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे अश्विन अब बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलते हुए दिखेंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड और अंत में ऑस्ट्रेलिया में होने वाली बॉर्डर गावस्कर सीरीज में भी खेलेंगे।

ऋषभ पंत का अर्धशतक, सरफराज खान की आक्रामकता से भारत बी की कुल बढ़त 240 हुई

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत बी ने ऋषभ पंत के अर्धशतक और सरफराज खान की आक्रामकता की बदौलत शनिवार को यहां दलीप ट्रॉफी मैच के तीसरे दिन भारत ए के तेज गेंदबाजों का डटकर सामना करते हुए छह विकेट पर 150 रन का स्कोर खड़ा किया।

भारत बी ने भारत ए को पहली पारी में 231 रन पर आउट करने के बाद 90 रन की बढ़त हासिल की। अब उसकी कुल बढ़त 240 रन की हो गई है और स्टंप तक वाशिंगटन सुंदर छह रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। पंत ने 47 गेंद में नौ चौके और दो छक्के से 61 रन बनाए। तेज गेंदबाज खलील अहमद (56 रन देकर दो विकेट) और आकाश दीप (36 रन देकर दो विकेट) ने मिलकर भारत बी के आठ ओवर के अंदर 22 रन पर तीन विकेट झटक लिए थे जिस समय उसकी कुल बढ़त 132 रन थी।

कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन और पहली पारी के शतकवीर मुशीर खान (शून्य) आकाश दीप का शिकार बने। यशस्वी जायसवाल को अहमद ने आउट किया। ये तीनों कैच विकेटकीपर ध्रुव जुरेल ने लिए। चाय तक भारत बी का स्कोर तीन विकेट पर 33 रन था। पर पंत और सरफराज (46 रन, 36 गेंद, 7 चौके, एक छक्का) ने मिलकर अच्छी साझेदारी कर टीम को इस स्कोर तक पहुंचाने में मदद की। दोनों ने गेंदबाजों का डटकर सामना किया। नौ ओवरों में दोनों ने 72 रन जोड़े।

सरफराज इसके बाद आवेश खान का शिकार हो गए। पंत ने दूसरे छोर पर तेजी से रन जुटाते हुए 34 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कुलदीप यादव की गेंद पर छक्का लगाने के बाद एक रन लेकर 50 रन बनाए। पर तनुश कोटियान ने पंत की पारी समाप्त की। इससे पहले तेज गेंदबाज नवदीप सैनी ने 60 रन और मुकेश कुमार ने 62 रन देकर तीन तीन विकेट झटके, जिससे सुबह दो विकेट पर 134 रन पर खेलने उतरी भारत ए की टीम 231 रन पर सिमट गई।

केएल राहुल (37) और रियान पराग (30) ने तीसरे विकेट के लिए 89 रन की साझेदारी निभाई। शिवम दुबे ने 20 रन बनाए। पहले सत्र में टीम ने 27 ओवर में पांच विकेट खोकर 74 रन बनाए। मुंबई के निचले क्रम के बल्लेबाज कोटियान ने 32 रन बनाकर टीम को संभालने की कोशिश की। लेकिन स्पिनर साई किशोर की गेंद पर पवेलियन लौट गए।

अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप : निकिता ने रजत और नेहा ने जीता कांस्य पदक

पोंटेवेद्रा (स्पेन)। भारतीय पहलवान निकिता ने यहां अंडर-20 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में महिलाओं के 62 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि नेहा ने 57 किग्रा में कांस्य पदक हासिल किया, जिससे भारत इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर पांच पदकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। पिछले साल अंडर-20 एशियाई चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता निकिता फाइनल में यूक्रेन की पहलवान इरीना बोंदर से 1-4 से हार गईं। पिछले महीने अंडर-17 विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली नेहा ने महिलाओं की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल में हंगरी की गेरडा टेरेक को 10-8 से हराकर कांस्य पदक जीता। भारत ने इस तरह से पांच पदकों (एक स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य) के साथ अपने अभियान का समापन किया। ज्योति बेरवाल ने इससे पहले महिलाओं की 76 किलोग्राम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था जबकि कोमल (महिला 59 किग्रा) और सृष्टि (महिला 68 किग्रा) ने कांस्य पदक हासिल किए थे। पिछले साल जॉर्डन के अम्मान में आयोजित की गई इस प्रतियोगिता में भारत ने चार स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक जीते थे।

रॉयल्स ने द्रविड को बनाया मुख्य कोच

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ अब आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के नये मुख्य कोच होंगे। द्रविड़ का कार्यकाल टी20 विश्वकप के साथ ही समाप्त हो गया था। राजस्थान रॉयल्स ने एक बयान जारी कर कहा है कि द्रविड़ उसकी टीम के नये मुख्य कोच होंगे। द्रविड़ ने अपने करियर में रॉयल्स की ओर से खेला है। इसी को लेकर उत्साहित द्रविड़ ने कहा कि मैं उस फ्रेंचाइजी में लौटकर बेहद खुश हूं, जिसे कुछ साल पहले तक मैं अपना घर कहा करता था। वह साल 2012-2013 में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान जबकि साल 2014-15 में मेंटोर रहे थे। वहीं अब करीब 10 साल बाद आईपीएल 2025 के लिए वह एक बार फिर रॉयल्स से जुड़ गए हैं। अभी यह पता नहीं चला है कि द्रविड़ का कार्यकाल कब तक रहेगा पर माना जा रहा है कि वह कम से कम दो साल तक रॉयल्स के कोच रहेंगे। ये अनुबंध आगे भी बढ़ाया जा सकता है। द्रविड़ की करीब एक दशक के बाद आईपीएल में वापसी हो रही है। साल 2015 में द्रविड़ अंडर-19 टीम के कोच बने थे। इसके बाद 2019 में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) एनसीए प्रमुख रहे थे। वहीं साल 2022 में उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच बनाया गया था। उनका कार्यकाल टी20 विश्वककप फाइनल के साथ ही समाप्त हो गया था। द्रविड़ ने कहा कि विश्व कप के बाद नया चैलेंज लेने का यह अच्छा अवसर है। राजस्थान रॉयल्स इसके लिए सबसे अच्छी टीम है।इस टीम में जितना प्रतिभाएं हैं जो इसे ऊपर ले जा सकती हैं।' रॉयल्स ने कहा कि द्रविड़ की वापसी से टीम को बेहतर मार्गदर्शन मिलेगा।

ओलंपिक पदक विजेता भारत एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार

मोकी (चीन) (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय टीम आठ सितम्बर से यहां शुरु होने वाली हीरो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में अपने खिताब की रक्षा के लिये कमर कस चुकी है। मोकी हॉकी ट्रेनिंग बेस पर शुरू होने वाली प्रतियोगिता में भारत खिताब बचाने के प्रबल दावेदार के रूप में शुरुआत कर रहा है, जबकि मेजबान चीन, जापान, पाकिस्तान, कोरिया और मलेशिया इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद के साथ पहुंचे हैं।

पिछले साल, भारत ने घरेलू मैदान पर चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जीता था और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के इतिहास में चार खिताब जीतने वाली एकमात्र टीम बन गई थी। टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह इस साल भी महाद्वीपीय चैंपियनशिप में भारत का दबदबा जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले साल एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी ने हमें एशियाई खेलों में जाने के लिए सही शुरुआत हासिल की और इसके बाद ओलंपिक खेलों में फिर से पोडियम पर पहुंचने की जीत हासिल की।

इस बार भी हम यह टूर्नामेंट जीतकर नए सिरे से ओलंपिक चक्र शुरू करना चाहते हैं। हालांकि इस टूर्नामेंट में हमारे ओलंपिक टीम के दस सदस्य खेल रहे हैं, हमारे पास कुछ युवा खिलाड़ी हैं जो टीम में अपना प्रभाव डालने की कोशिश कर रहे हैं।' हरमनप्रीत ने कहा कि खेल के दृष्टिकोण से, हमारे आक्रमण और पेनल्टी कॉर्नर हमारी ताकत हैं लेकिन हम ऐसा करेंगे विशेष रूप से जापान, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी टीमों के खिलाफ एक संरचित रक्षा खेलना चाहते हैं। विश्व रैंकिंग अंकों के मामले में यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और हम चुनौती के लिए तैयार हैं।

भारत अपने अभियान की शुरुआत मेजबान चीन के खिलाफ शुरुआती मैच से करेगा और उसके बाद नौ सितंबर को जापान के खिलाफ अपना दूसरा मैच खेलेगा। एक दिन के आराम के बाद भारत 11 सितंबर को पिछले साल के उपविजेता मलेशिया से भिड़ेगा और 12 सितंबर को कोरिया से खेलेगा। एक दिन के ब्रेक के बाद, भारत 14 तारीख को प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगा जबकि सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 16 और 17 सितंबर को होंगे।

पाक जैसा प्रदर्शन भारत में करना चाहेंगे मिराज

ढ़ाका। पाकिस्तान के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन से सभी का ध्यान खींचने वाले बांग्लादेश के ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज अब भारत के खिलाफ सीरीज में भी वैसा ही प्रदर्शन करना चाहेंगे। बांग्लादेश की टीम 19 सितंबर से भारत के खिलाफ सीरीज खेलेगी। अब देखना है कि मिराज अपने प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। उनके लिए ये आसान नहीं होगा क्योंकि अभी भारतीय टीम विश्व की शीर्ष टीमों में से एक है। इसके अलावा उसे घरेलू मैदान पर 2012 के बाद से ही हार नहीं मिली है। वहीं इससे पहले टेस्ट में भारत के खिलाफ मिराज का प्रदर्शन सामान्य रहा था। टीम इंडिया के खिलाफ अब तक 5 टेस्ट में इस खिलाड़ी ने 188 रन ही बनाये हैं। इस दौरान उनका औसत 18.80 रहा है। इसके अलावा वह 45.71 के औसत से केवल 14 विकेट ही ले पाये हैं हालांकि इसके बाद भी भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा। भारतीय टीम इंडिया को 2022 में हुए एकदिवसीय में मेहदी के कारण मिली एक विकेट की हार को ध्यान में रखन होगा। तब भारत के 186 के स्कोर का पीछा करते हुए बांग्लादेश की टीम ने एक समय 136 रनों पर ही 9 विकेट खो दिए थे पर मेहदी ने तब 38 रन बनाकर मुस्तफिजुर रहमान 10 के साथ आखिरी विकेट के लिए 51 रन जोड़कर मैच पलट दिया था।

टी20 में सबसे अधिक मेडन ओवर फेंकने वाले पांच गेंदबाजों में बुमराह और भुवनेश्वर भी शामिल

मुम्बई। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा मेडन ओवर फेंकने वालो शीर्ष पांच गेंदबाजों में दो भारतीय गेंदबाज भी शामिल हैं। ये हैं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और भुवनेश्वर कुमार। वहीं हैरानी की बात है कि इस सूची में शीर्ष पर यूगांडा का एक गेंदबाज फ्रांको नसुबुगा है। नसुबुगा ने 56 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अभी तक सबसे ज्यादा 17 ओवर मेडल फेंके हैं। नसुबुगा ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर में 57 विकेट लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारत के बुमराह ने 70 मैचों में 12 मेडन ओवर किये हैं। इस दौरान उन्होंने 89 विकेट लिए हैं। केन्या के धीमी गति के गेंदबाज शेम ओबाडो नगोचे ने अपने करियर में 12 ओवर मेडन किये हैं और वह तीसरे नंबर पर हैं। नगोचे के नाम 108 विकेट हैं। वहीं भारतीय टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने टी20 में 10 ओवर मेडन किये हैं। उनके नाम 90 विकेट भी हैं। इसके अलावा जर्मनी के गुलाम अहमदी 10 मेडन ओवर फेंककर पांचवे स्थान पर हैं।

विराट की सलाह से मिला लाभ : अनुज रावत

नई दिल्ली। यहां खेली जा रही दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में अपनी शानदार बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले ईस्ट दिल्ली राइडर्स के बल्लेबाज अनुज रावत ने इसका श्रेय विराट कोहली को दिया है। अनुज ने कहा कि विराट से मिली सलाह पर अमल करने से ही वह बेहतर प्रदर्शन कर पाये हैं। अनुज के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने के दौरान उन्हें विराट ने कहा था कि खेल में चाहे जो भी स्थिति अपनी ओर से तैयारी लगातार जारी रखो। इसी करण वह डीपीएल के आठ मैचों में 300 से अधिक रन बनाने में सफल रहे हैं। रावत ने कहा, मैंने विराट भाई से खेल के बारे में कुछ पूछा। उन्होंने मुझसे कहा, खेल में चाहे जो भी स्थिति हो, बस अपनी तैयारी लगातार जारी रखो। इससे आपको मानसिक रूप से बल मिलेगा। ये सलाह मेरे लिए फायदेमंद रही है। इस लीग के उद्घाटन संस्करण में अनुज ने पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ सुजल सिंह के साथ मिलकर टी20 क्रिकेट में 241 रनों की दूसरी सबसे बड़ी शुरुआती साझेदारी बनायी थी। इस खिलाड़ी ने कहा कि घरेलू सत्र शुरू होने पर ड्रेसिंग रूम का माहौल बनाए रखने की जिम्मेदारी अनुभवी खिलाड़ियों पर रहेगी।वरिष्ठ खिलाड़ी टीम में हल्का माहौल बनाए रखते हैं। इससे सभी को बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलती है। अगले आईपीएल से पहले होने वाली मेगा नीलामी को लेकर अनुज ने कहा कि वे इसके लिए तैयार हैं क्योंकि उन्होंने अपने खेल में कई आवश्यक बदलाव किए हैं।

147 साल में पहली बार हुआ ऐसा: ओली पोप ने टेस्ट क्रिकेट में रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क। इंग्लैंड के कार्यवाहक कप्तान ओली पोप ने शुक्रवार (6 सितंबर) को श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन टेस्ट क्रिकेट के 147 साल पुराने इतिहास में एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया, जो पहले कभी नहीं बना था। बारिश से प्रभावित दिन और टॉस हारने के बाद पोप ने सुनिश्चित किया कि जो रूट की विफलता के बावजूद इंग्लैंड 221-3 के स्कोर पर स्टंप तक मजबूत स्थिति में रहे।

पोप ने अपने करियर का 7वां टेस्ट शतक बनाया और नाबाद 103 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। इससे पहले दिन में, बेन डकेट ने सिर्फ 79 गेंदों में 86 रनों की तेज पारी खेलकर इंग्लैंड को जीत दिलाई। ओली पोप ने इतिहास रचते हुए अपने करियर के 49वें टेस्ट मैच में सात अलग-अलग टीमों के खिलाफ अपने पहले सात टेस्ट शतक बनाने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

पोप ने अपने टेस्ट करियर में अब तक जो भी शतक बनाए हैं, वे छह अलग-अलग मैदानों पर एक अलग प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आए हैं।

आइए शतकों पर एक नजर डालते हैं

पोप ने 2020 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ग्वालियर में 135 रनों की नाबाद पारी के साथ अपना पहला टेस्ट शतक बनाया।

उनका अगला तीन अंकों का स्कोर घरेलू धरती पर उनका पहला शतक था, दो साल से अधिक समय बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ नॉटिंघम में 145 रनों की पारी के साथ आया।

उन्होंने उसी साल रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ 108 रनों की पारी खेली थी।

पोप का टेस्ट में एकमात्र दोहरा शतक पिछले साल आयरलैंड के खिलाफ प्रतिष्ठित लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर आया था।

इस साल की शुरुआत में पोप ने हैदराबाद में भारत के खिलाफ 195 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय धरती पर किसी विदेशी खिलाड़ी द्वारा सबसे बड़ी पारियों में से एक खेली थी।

दाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने मौजूदा घरेलू समर में दो शतक लगाए हैं जिसमें श्रीलंका के खिलाफ आज के प्रयास से पहले ट्रेंट ब्रिज में वेस्टइंडीज के खिलाफ 121 रनों की पारी शामिल है।

ऐसी टीमें जिनके खिलाफ पोप ने नहीं लगाया शतक

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, जिम्बाब्वे और अफगानिस्तान ही एकमात्र ऐसी टीम है, जिसके खिलाफ पोप ने शतक नहीं बनाया है। ऑस्ट्रेलिया के अलावा पोप ने अपने करियर में अब तक अन्य तीन टीमों का सामना नहीं किया है। पोप ने 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया और 35.28 की औसत से सात शतकों के साथ 2823 रन बनाए हैं। अपने सात शतकों के अलावा उनके नाम 13 अर्धशतक भी हैं।

मैनचेस्टर में इस श्रृंखला का पहला टेस्ट पोप का इंग्लैंड के कप्तान के रूप में पदार्पण था। 26 वर्षीय खिलाड़ी बेन स्टोक्स के चोटिल होने के बाद तीनों मैचों में इंग्लैंड की अगुआई कर रहे हैं। 2022 में स्टार ऑलराउंडर को इंग्लैंड का टेस्ट कप्तान बनाए जाने के बाद से पोप उप-कप्तान हैं। शुक्रवार को श्रीलंका के खिलाफ लगाया गया शतक पोप का टेस्ट करियर में कप्तान के तौर पर पहला शतक भी था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

उड़ते पंछी के परों का इंद्रधनुष

पंछियों को उड़ने के लिए पंखों का तोहफा देने वाले नेचर ने वाकई अद्भुत कारीगरी दिखाई है। आओ इन पंखों को जानें और करीब से।

पर, पर हैं क्या?

पंख, पर या फैदर्स असल में पंछियों की ऊपरी त्वचा यानी स्किन पर उगने और उसे कवर करने वाली संरचना होते हैं। साइंस की भाषा में कहा जाए तो यह एपिडर्मिस के ऊपर होने वाली ग्रोथ है। साइंस यह भी कहता है कि रेप्टाइल्स के शरीर पर पाए जाने वाले स्केल्स ही असल में पक्षियों के शरीर पर पंखों के रूप में विकसित हुए हैं। पंछियों के अलावा ये कुछ अन्य प्राणियों के शरीर पर भी पाए जाते हैं। वहां इनका रूप भी अलग हो सकता है। पंख भी नाखून और बालों की ही तरह कैराटिन नाम के प्रोटीन से बनते हैं।

उड़ो और बचो भी

पंख केवल उड़ान भरने में ही पंछियों की मदद नहीं करते। प्रकृति ने इन्हें इस तरह से बनाया है कि ये पक्षियों के लिए रेनकोट भी बनते हैं, दुश्मन से बचाव का साधन भी और हर पंछी की अपनी पहचान का माध्यम भी। साथ ही ये तापमान को नियंत्रित रखने में भी मदद करते हैं। पंखों की रचना और रंगों को देखकर मेल-फीमेल पक्षी का पता भी लगाया जा सकता है। पक्षियों के परों को अलग-अलग आकार-प्रकार के आधार पर कई श्रेणियों में बांटा जाता है।

रंगों का मजेदार विज्ञान

पंछियों के पर क्रिएटिविटी के मामले में भी प्रकृति की खूबसूरत कारीगरी होते हैं। रंग-बिरंगे इंद्रधनुष से ये पंख वाकई इंद्रधनुष सी ही काबिलियत रखते हैं। तुम्हें ये जानकर और भी आश्चर्य होगा कि फैदर्स में इंद्रधनुष के सारे रंग होते हैं। इनमें से ज्यादातर रंग एक खास पिगमेंट के कारण बनते हैं। यह क्रिया ठीक ऐसे ही होती है जैसे खाना बनाते समय फूड कलर्स को यूज करने पर होती है। जैसे कि जब तुम किसी पकवान में लाल या पीला रंग मिलाते हो तो वो लाल या पीले रंग का हो जाता है। ठीक उसी तरह पंखों में भी जिस रंग का पिगमेंट मौजूद होता है वो उसी रंग के नजर आते हैं। यहां एक रोचक बात यह है कि इंद्रधनुष के बाकी प्रायमरी कलर्स के पिगमेंट तो फैदर्स में होते हैं लेकिन नीले रंग का कोई पिगमेंट नहीं होता। तो फिर 'नीलकंठ' जैसे पंछी के पंखों का रंग कहां से आता है? इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। नीले रंग के मामले में प्रकृति द्वारा बनाई पंख की संरचना मुख्य काम करती है। नीले रंग के पंखों का आकार और संरचना इस तरह की होती है कि जब प्रकाश इस पर पड़ता है तब यह पंख केवल नीले रंग को ही हमारी आंखों पर रिफ्लेक्ट या परावर्तित करता है। यहां यह भी याद रखना कि साधारण प्रकाश में इंद्रधनुष के सारे रंग छुपे होते हैं लेकिन नीले पंखों की डिजाइन ऐसी होती है कि वो हमारी आंखों तक केवल नीला रंग ही पहुंचाता है।

एक्सपेरिमेंट

एक नीले रंग का पंख लेकर उस पर ऊपर की तरफ से फ्लैशलाइट डालो। इससे तुम्हें चमकता हुआ नीला रंग दिखाई देगा। अब इसी लाइट को फैदर के अंदर की तरफ से डालो। नीला रंग गायब हो जाएगा। मगर यही एक्सपेरिमेंट जब तुम लाल या पीले या अन्य किसी रंग के पंख के साथ करोगे तो तुम्हें किसी भी डायरेक्शन से सेम कलर ही दिखाई देगा। है ना ये नेचर का मैजिक।

हरे रंग का जादू

अब इसी तरह पंखों के हरे जादू को भी समझो। यहां भी रोचक बात यह है कि नेचर ने केवल एक ही पक्षी 'टरकॉइज' के पंखों में हरे रंग का पिगमेंट दिया है। तो फिर बाकी के हरे रंगों वाले पंख पंछियों के पास कैसे होते हैं? तो बाकी सारे हरे रंग के पक्षी असल में हरे रंग को दिखाने के लिए अपने पास मौजूद पीले रंग के पिगमेंट और ब्लू वेवलेंथ्स का कॉम्बीनेशन यूज में लाते हैं। अब नीले और पीले रंग को मिलाने पर हरा रंग बनता है ये सब जानते ही हैं।

बचाओ पंख और पक्षी भी

ये जाहिर सी बात है कि पंख किसी पक्षी के लिए कितना महत्वपूर्ण हो सकता है। लेकिन कुछ लोग इस बात को नहीं समझते और खूबसूरत पंखों के लिए पंछियों को मार देते हैं। दुनियाभर में इसके लिए कई सारे कानून भी बनाए गए हैं ताकि निर्दोष पक्षियों को नुकसान पहुंचने से बचाया जा सके। हां, अगर जमीन पर गिरे पंख इकट्ठे करके कोई अपने पास रखे तो कोई बात नहीं।

रोचक बातें पंखों की

पंख पंछियों के नाजुक शरीर की रक्षा का काम करते हैं। कुछ पंछी तो ऐसे भी हैं जिनके नन्हे पंख उनके लिए आइलैशेज का भी काम करते हैं। उल्लू जैसे कुछ पक्षियों के पंख उनके लिए प्रोटेक्टिव शॉल का भी काम करते हैं और दुश्मनों की नजर से उन्हें पूरी तरह छुपा देते हैं। बर्फ में रहने वाले पंछियों के पैरों में भी पंख होते हैं और वे उनके लिए स्नो शूज का काम करते हैं। ये ठंड के साथ-साथ उन्हें बर्फ में ग्रिप बनाए रखने में भी मदद करते हैं। कुछ पक्षी अपने पंखों से आवाज भी करते हैं। ये आवाज पंखों से गुजरने वली हवा के कारण पैदा होती है।

बीरबल की खिचड़ी

ठंड का समय था दिल्ली में बहुत ही ज्यादा ठंड पड़ी थी। उस समय बादशाह अकबर और बीरबल दोनों ही सुबह-सुबह बगीचे में घूम कर रहे थे। बादशाह अकबर ने बीरबल से कहा, बीरबल देख रहे हो कितनी ज्यादा ठंड है। ऐसा लग रहा है कि अगर कोई बिना गर्म कपड़ों के बाहर आ जाए तो वह तुरंत ही बर्फ की तरह जम जाएगा।

जी हां जहांपना बिल्कुल सही कह रहे हैं आप। बीरबल ने अकबर से कहा।

अच्छा बीरबल यह बताओ इतनी ठंड में भी तुम यहां आ गए। लेकिन ऐसे बहुत से लोग होंगे जो इतनी सर्दी में घर से बाहर नहीं निकल रहे होंगे और अपने कामकाज को भी नहीं कर रहे होंगे।

जी हां, जहाँपनाह आपकी बात तो सही है। लेकिन ऐसे बहुत से लोग भी है जो मजबूरी के चलते इस सर्दी में भी निकला करते हैं। मजबूरी में ऐसे काम किया करते हैं जो इस सर्द में नहीं करनी चाहिए। बीरबल ने कहा।

अकबर ने बीरबल से कहा, अच्छा लेकिन मैं यह नहीं मानता। मैं नहीं मानता कि कोई इतनी सर्दी में अपने घर से निकलेगा और काम पर जाएगा। वह तो घर के अंदर रहकर गर्म बिस्तर पर लेटा रहेगा। लेकिन उठकर काम पर नहीं जाएगा।

नहीं नहीं जहाँपनाह बात ऐसी नहीं है। लोगों की मजबूरी है कि वह इस सर्द में भी निकल करकाम करें बीरबल ने अकबर को बताया।

अच्छा! ऐसी बात है तो मुझे साबित करके दिखाओ कि कोई इतनी सर्दी में भी चंद पैसों के लिए भी काम करने को कैसे निकल सकता है। बादशाह अकबर ने बीरबल चुनौती देते हुए कहा। वही पास एक तालाब भी था जिसका पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था। बादशाह अकबर ने उस तालाब की ओर इशारा किया और बीरबल से कहा, बीरबल उस तालाब को देखो उस तालाब को देखकर ही ऐसा प्रतीत हो रहा है कि उसका पानी कितना ठंडा होगा। तुम एक ऐसे व्यक्ति को लेकर आओ जो रातभर इस तालाब में रहकर गुजार दें। मैं उसे ढेरों इनाम दूंगा।

बीरबल ने कहा, आपका हुकुम सर आंखों पर। आप जैसा कह रहे हैं मैं वैसा तुरंत करता हूं और आज ही एक ऐसे व्यक्ति का इंतजाम करता हूं जो यह कार्य कर देगा।

बीरबल तुरंत ही दरबार से निकला और इस बात का ऐलान कर दिया कि राजा उस व्यक्ति को ढेरों इनाम देंगे जो रात भर बगीचे की तालाब में रहकर गुजार देगा। जनता में से एक आदमी गंगाराम बादशाह के दरबार में पहुंचा और उसने राजा से कहा, बादशाह सलामत रहे। मेरे बादशाह आपने जो करने को कहा था वह करने के लिए मैं तैयार हूं।

बादशाह अकबर ने कहा, मैं तुम्हारे हिम्मत की दाद देता हूं। आज के लिए तुम हमारे मेहमान हो। जाओ और रात को हम तुम्हें उस तालाब में लेकर जाएंगे। उस तालाब पर तुम्हें पूरी रात गुजारनी है।

रात का समय हुआ। गंगाराम को तालाब के पास ले जाया गया। गंगाराम ने तालाब का पानी छूकर देखा। तालाब का पानी बहुत ही ज्यादा ठंडा था फिर भी गंगाराम हिम्मत करके तालाब के अंदर चला गया। शुरुआत में गंगाराम बहुत ही कांप रहा था लेकिन कुछ देर बाद वह सीधा खड़ा होकर पूरा रात गुजार दिया। दिन होते ही उसे बादशाह के दरबार पर बुलाया गया। बादशाह अकबर उसे देखकर दंग रह गए। उन्होंने तुरंत ही गंगाराम से पूछा, आखिरकार तुम पूरी रात इतनी ठंडी में कैसे रह गए? अगर मैं होता तो मैं मर ही जाता।

गंगाराम ने बादशाह अकबर के सवालों को जवाब दिया, जहांपना, पास ही में एक जलता हुआ दीपक था जिसकी ओर ध्यान कर उसे देखकर मैं पूरी रात गुजार गया। मैंने अपना पूरा ध्यान उसपर रखा।

ओह! तो यह बात है। तुमने उस दीपक से गर्मी ली और उस गर्मी से पूरी रात भर तालाब में रह गए। तो तुमने तो हम सब के साथ धोखा किया है। वैसे मैं तुम्हें जाने देता हूं क्योंकि यह काम करना आसान नहीं था। लेकिन तुमने जिस तरीके का काम किया है उसके लिए मैं तुम्हें कोई भी इनाम नहीं दूंगा। यह कहकर बादशाह ने गंगाराम को वापस भेज दिया।

वही पास में बीरबल खड़ा यह सब चीजें देख रहा था। तभी राजा ने बीरबल से कहा, देखा बीरबल इस तरह का काम कोई भी नहीं कर सकता।

बीरबल ने कहा, जी हाँ जहांपनाह आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। यह कहकर बीरबल अपने घर लौट गया।

अगले दिन बीरबल ने बादशाह अकबर को खाने में आमंत्रित किया। बीरबल ने कहा, बादशाह मैं बहुत ही अच्छी खिचड़ी बनाता हूं। मैं चाहता हूं कि कल आप मेरे घर आए और मेरी हाथ की बनी हुई खिचड़ी खाए।

राजा ने बीरबल का निमंत्रण स्वीकार किया और अगले दिन बीरबल के घर जा पहुंचे। बीरबल के घर पहुंचते ही बादशाह ने बीरबल से कहा, बीरबल, लेकर आओ तुम्हारी खिचड़ी जरा हम भी तो उसका स्वाद ले कर देखें कि आखिर तुम कैसी खिचड़ी बनाते हो?

जी हां जहांपना बस खिचड़ी तैयार होने वाली है। बीरबल ने कहा।

ठीक है।राजा ने कहा।

समय बीतता जा रहा था ओर राजा का भूख बढ़ता ही जा रहा था। ऐसे में बादशाह ने बीरबल से फिर पूछा, बीरबल तुम्हारी खिचड़ी बनने में और कितना समय लगेगा। मेरी भूख बढ़ती ही जा रही है।

बीरबल ने जवाब दिया, बस जहांपना कुछ देर और आप की खिचड़ी तुरंत तैयार हो जाएगी।

अच्छा ठीक है। जल्दी लेकर आओ।

ऐसे करते करते और समय बीत गया और राजा का भूख बढ़ने लगा था उन्होंने गुस्से में आकर बीरबल से पूछा, तुम क्या कर रहे हो? अभी तक तुम्हारा खिचड़ी तैयार नहीं हुआ। जल्दी लेकर आओ मुझे बहुत भूख लगी है

जी हां जहाँपनाह मैं अभी लेकर आता हूं बस यह तैयार होने वाला है। यह कहकर बिरबल फिर अपनी रसोई की ओर चला गया। कुछ समय और बीतने के बाद राजा उठकर बीरबल की रसोई की ओर जा पहुंचे। बादशाह अकबर ने देखा कि बीरबल हांड़ी(पकाने का बरतन) को आग से बहुत ही ऊपर लगाकर रखा था। जिससे कि आग की ताप उस हांड़ी तक नहीं पहुंच सकती थी। ऐसे में राजा ने बीरबल ने कहा, अरे बेवकूफ! तुम आखिर कर क्या रहे हो? ऐसे में तो तुम्हारी खिचड़ी कभी भी नहीं पकेगी।

पकेगी जहाँपनाह यह जरूर पकेगी। बीरबल ने कहा। अरे आग का ताप तो हांड़ी में पहुंच ही नहीं रहा है तो फिर तुम्हारी खिचड़ी कैसे पक सकती है। इसके लिए आग का ताप खिचड़ी की हांड़ी तक पहुचाना चाहिए। राजा ने समझाते हुए कहा।

बीरबल ने कहा, जिस तरह से एक छोटा सा दीपक गंगाराम को ताप दे सकता है। तो इस तरह से हांड़ी को आग से ताप अवश्य ही मिल जाएगा।

यह बात सुनकर बादशाह समझ चुके थे कि उन्होंने क्या गलती की थी। तुरंत ही राजा ने बीरबल को कहा, बीरबल मैं समझ चुका हूं कि तुम आखिर कहना क्या चाहते हो। मैं तुरंत ही गंगाराम को बुलाकर उसका इनाम उसे दूंगा और मैं तुम्हारा शुक्रिया करता हूं कि तुमने मेरी गलती को मुझे बताया।

कई बार तुम्हें कक्षा में सुनने का मिलता है कि तुम ध्यान से सुन नहीं रहे हो। ध्यान से सुनो। सुनोगे नहीं तो बात समझ में नहीं आएगी।

ध्यान से सुनो हर बात

कभी तुमने सोचा है कि समझने के लिए सुनना क्यों जरूरी है? क्यों अक्सर हम कहते हैं कि ध्यान से सुनना चाहिए। अगर अच्छे वक्ता बनना चाहते हो तो सुनने की आदत डालनी चाहिए। इससे हमारे बोलने के तौर-तरीके भी सुधरते हैं। हमें मालूम पड़ता है कि इस बात को और कैसे सुंदर तरीके से बोला जा सकता है। सुनने की आदत डालने से बोलने की कला भी विकसित होती है। जब भी कक्षा में या कहीं भी कोई वक्ता बोल रहा होता है तो ध्यान से उसे सुनना भी एक कला है। अगर तुम चाहते हो कि बोलने वाले की बात को काटना है या तर्क करना है तो उसके लिए बोलने वाले की हर बात को ध्यान से सुनना बेहद जरूरी है, वरना बोलने वाला कह सकता है कि मैंने तो ऐसा कहा ही नहीं। आपने ठीक से मेरी बात नहीं सुनी। इस आरोप से तभी बचा जा सकता है, जब तुम कहने वाले की बात को गौर से सुनोगे। सुनने से दूसरों के विचारों को जाना जा सकता है। इससे तुम्हारे ज्ञान में वृद्धि होती है।

कैसे और कितना सुनो?

सुनने के लिए जरूरी है कि एक बोलने वाला भी हो। वह किस विषय पर किस गंभीरता से बोल रहा है, यह भी जरूरी है। सुनने वाले की रुचि की बात की जाए तो सुनने वाले का ध्यान खुद ब खुद बोलने वाले की ओर चला जाता है। कई बार बोलने वाले की सुस्तता की वजह से भी सुनने वाले को अच्छा नहीं लगता। जब तुम कक्षा में बैठे हो तो कक्षा में बताई जाने वाली बातों को ध्यान से सुनने की आदत डालो। इससे तुम्हारी काफी सारी समस्याएं हल हो जाएंगी। कक्षा में विषय को पढ़ाते वक्त मैडम बातों ही बातों में कई ऐसी बातें कह जाती हैं, जो न केवल तुम्हारे विषय की समझ के लिए जरूरी होती हैं, बल्कि जीवन में भी काम आती है। सुनते वक्त इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि बोलने वाला क्या बोल रहा है और क्यों बोल रहा है। कक्षा में पढ़ाए गए विषय को दूसरे को सुनाना और दूसरे से उस विषय को सुनने से ज्यादा याद होता है।

प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर कुदरत की अनुपम कारीगरी अथिरापल्ली और वाज्हचाल

दो स्तों, विश्व प्रसिद्ध नयाग्रा जल प्रपात का नाम तो तुमने सुना ही होगा। इसे देखने के लिए हर साल करोड़ों लोग वहां जाते हैं। सैकड़ों फुट ऊपर से गिरता पानी जब नीचे जाकर भाप जैसा रूप लेता है तो बरबस ही सबका मन मोह लेता है। हमारे देश में भी ऐसे कई स्थान हैं, जो इसी तरह के हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में हम वहां की सैर नहीं कर पाते। ये स्थान भी प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर हैं, कुदरत की अनुपम कारीगरी यहां दिखाई देती है। जो यहां आता है, बस यहीं का होकर रह जाता है। ऐसे ही दो जलप्रपात हैं केरल में। शोलयार वन श्रंखला के वर्षा वनों से लगा, घने संरक्षित वनों के बीच जो विभिन्न प्रजातियों के वन्य जीवन की आश्रय स्थली भी है, एक के बाद एक, दो जल प्रपात हैं, जिन्हें देख कोई भी झूमे बगैर नहीं रह सकता। यकीनन होश उड़ाने वाला प्राकृतिक सौंदर्य। नाम है अथिरापलली और वाज्हचाल। केरल के थ्रिस्सूर शहर से कोच्ची जाने वाले हाईवे पर 30 किलोमीटर चलने पर चालकुडी और वहां से बांयी और दूसरी सड़क पर 33 किलोमीटर जाने पर अथिरापल्ली का जल प्रपात पड़ेगा। यहां से 4 किलोमीटर और आगे जाएंगे तो वाज्हचाल नाम का दूसरा प्रपात भी है जिसे भारत का नयाग्रा भी कहा जाता है। पहले आप पहुंचते हैं अथिरापल्ली। यहां एक सुंदर उद्यान है। सामने ही बांस के घने झुरमुटों के बीच से आगे बढ़ने पर अपने संपूर्ण वैभव के साथ प्रवाहित हो रही चालकुडी नदी के दर्शन होते हैं। बांस की टहनियों पर उछल कूद करते अनेक बन्दर भी आपका स्वागत करते प्रतीत होते हैं। यहां लकड़ी से बने बेंच भी लगे हुए हैं, जो आपको वापसी में ललचाएंगे क्योंकि अभी तो नीचे उतरना है। दाहिनी ओर नीचे जाने के लिए आरामदायक पत्थर बिछा मार्ग बना हुआ है जो कुछ लंबा पड़ता है। अति उत्साही प्रकार के पर्यटक सीधे नीचे भी उतर सकते हैं, सीढ़ियों के प्रयोग के बिना ही। आधी दूर नीचे जाने पर ही जल प्रपात के प्रथम दर्शन होने लगते हैं भले ही गिरते पानी की गर्जना कानों में पहले से ही गूंजती रहती है। फिर आप सीधे आमने सामने रहते है इस भव्य प्रपात के। जब पानी की बूंदों की बौछार अपने मुंह पर पड़ती है उस समय आनंद की कोई सीमा नहीं रहती। यहां भी बेंचें लगी हुई हैं आपके विश्राम करने के लिए। प्रपात के बहुत करीब जन जोखिम से भरा होगा। पिकनिक मानाने के लिए प्रपात के नीचे का स्थल आदर्श है। वापस ऊपर आने के बाद हमें उन बेंचों की याद आएगी ही, जो उद्यान में लगे हुए हैं। यहां तनिक विश्राम करने के बाद आगे वाज्हचाल के लिए निकला जा सकता है। चालकुडी नाम के शहर से यहां इस 30 किलोमीटर का मार्ग सुखद है परन्तु अथिरापल्ली से आगे वाज्हचाल 4 किलोमीटर का मार्ग कच्चा और थोड़ा दुखदायी है। लेकिन जैसे ही प्रपात के दर्शन होंगे, पूरी थकान काफूर हो जाएगी। यहां भी प्रपात तक जाने की अच्छी व्यवस्था बनाई गई है। यहां से आगे का रास्ता एक वालपराई नामके हिल स्टेशन को जाता है जहां चाय के बागान भी हैं।

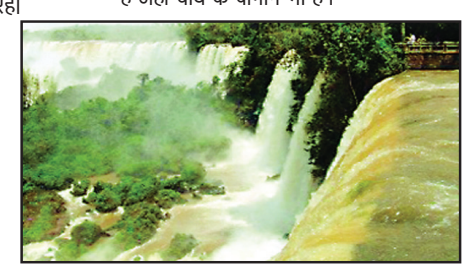

संक्षिप्त समाचार

पेरू में दर्दनाक हादसा, नाव पलटने से 6 लोगों की मौत

लीमा, एजेंसी। पेरू के पूर्व-मध्य क्षेत्र उकायाली से होकर बहने वाली नदी में नाव पलटने से कम से कम छह लोग डूब गए। स्थानीय अधिकारियों ने बुधवार की सुबह इस घटना में छह लोगों की मौत की पुष्टि की। पोर्ट कैप्टेंसी के प्रमुख जोनाथन नोवोआ के अनुसार सीआर नामक नाव मंगलवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न 2:30 बजे पुकाल्पा बंदरगाह से अटालाया शहर के लिए रवाना हुई थी, लेकिन बुधवार को लगभग 1:30 बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गई। पेरू की सरकारी न्यूज एजेंसी एंडिना ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि संभवतः नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण नाव किसी वस्तु से टकरा गई। अधिकारियों के अनुसार, नाव में शिक्षकों और नाबालिगों सहित लगभग 48 लोग सवार थे। इस नाव में 68 यात्रियों को ले जाने की क्षमता थी और इसमें जीवन रक्षक जैकेट जैसी सभी सुरक्षा आवश्यकताएं पूरी की गई थीं। इससे पहले रविवार को उत्तरी पेरू के लोरेटो क्षेत्र में एक नाव के डूबने के कारण एक नाबालिग सहित कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी।

कांगो पहुंची एमपॉक्स टीकों की पहली खेप

किंशासा, एजेंसी। वैश्विक स्वास्थ्य संकट के केंद्र कांगो में एमपॉक्स टीकों की 99,100 खुराक की पहली खेप पहुंचाई गई। शनिवार तक कुल 200,000 खुराक पहुंचेगी। कांगो के स्वास्थ्य मंत्री रोजर कम्बा ने गुरुवार को किंशासा के एनडिजिली हवाई अड्डे पर कहा, आज हमें टीके की 99,100 खुराक मिलीं है और बाकी शनिवार को मिलेंगी। उन्होंने वायरस पर जल्द काबू पाने का दावा किया। खासकर सबसे अधिक प्रभावित दक्षिण किवु और इक्वेटर जैसे प्रांत में वायरस को खत्म करने की बात कही। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्वास्थ्य मंत्री ने कहा, ‘यह वयस्कों के लिए उपलब्ध सबसे पहले टीके हैं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) सबसे अधिक प्रभावित प्रांतों में टीकाकरण अभियान का प्रभारी होगा, हालांकि उन्होंने लॉन्च की तारीख नहीं बताई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, कांगो स्वास्थ्य मंत्रालय इस सप्ताह के अंत में टीके लगाना शुरू करने की योजना बना रहा है। डब्ल्यूएचओ ने चेतावनी दी है कि ‘सिर्फ टीका महामारी को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं होंगें। उन्होंने हितधारकों से निगरानी, जोखिम संचार, सामुदायिक जुड़ाव, नैदानिक और घरेलू देखभाल के समन्वय को मजबूत करने का आह्वान किया। यूनिसेफ के पिछले रविवार को जारी एक बयान के अनुसार कांगो जिसने 2022 के अंत में एमपॉक्स को राष्ट्रीय महामारी घोषित की थी, उसने 2024 की शुरुआत से 629 मौतों समेत 18,000 से अधिक संदिग्ध मामलों की सूचना दी है, पांच लोगों की मौत हो गई थी जिसमें चार बच्चे थे। डब्ल्यूएचओ ने एमपॉक्स, जिसे पहले मंकीपॉक्स के नाम से जाना जाता था। उसे अगस्त के मध्य में वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया था।

बराक ओबामा के भाई ने ट्रंप का किया समर्थन, पूर्व राष्ट्रपति पर लगाए स्वार्थी होने के आरोप

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के चचेरे भाई एबोंगो मलिक ओबामा ने डोनाल्ड ट्रंप का समर्थन करने का एलान किया है। मलिक ओबामा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि मैं मलिक ओबामा, मैं रिपब्लिकन पार्टी का पंजीकृत मतदाता हूं और मैं डोनाल्ड ट्रंप को वोट करूंगा। बराक ओबामा के चचेरे भाई मलिक ओबामा ने जो बाइडन और हिलेरी क्लिंटन के समय भी डोनाल्ड ट्रंप का ही समर्थन किया था। अमेरिकी मीडिया से बात करते हुए मलिक ओबामा ने कहा कि वह ट्रंप को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि वे दिल से बोलते हैं। मेक अमेरिका ग्रेट अगेन एक कमाल का नारा है और मैं उनसे (ट्रंप) मिलना चाहूंगा। मलिक ओबामा ने पूर्व राष्ट्रपति और अपने चचेरे भाई बराक ओबामा की भी आलोचना की और उन्हें स्वार्थी बताया। मलिक ओबामा पेशे से एक अकाउंटेंट हैं और बराक ओबामा की शादी में वह ओबामा के बेस्ट मैन बने थे। जब बराक ओबामा राष्ट्रपति थे, तो वे व्हाइट हाउस भी गए। हालांकि बाद में दोनों के रिश्तों में कड़वाहट आ गई। साल 2022 में एक सोशल मीडिया पोस्ट में मलिक ओबामा ने लिखा कि मैं बराक ओबामा के राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान उनके साथ रहा, लेकिन बाद में मुझे अहसास हुआ कि वह स्वार्थी हैं। मलिक ओबामा ने पूर्व में बराक ओबामा पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। जिनमें से एक आरोप में मलिक ने दावा किया था कि बराक ओबामा का जन्म अमेरिका में नहीं हुआ था बल्कि वह केन्या के नागरिक थे। अपने दावे के पक्ष में मलिक ओबामा ने ओबामा के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र भी पेश किए थे। मलिक ओबामा अक्सर सोशल मीडिया पर दक्षिणपंथी विचारों को लेकर पोस्ट करते रहते हैं और समलैंगिक विवाह और गर्भपात की आलोचना करते रहे हैं।

मोहम्मद यूनुस बोले- हसीना भारत में रहकर चुप रहें : राजनीतिक बयानबाजी न करें

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के चीफ एडवाइजर मोहम्मद यूनुस ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत में रहकर राजनीतिक बयानबाजी नहीं चाहिए। यूनुस ने कहा कि वो हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करेंगे लेकिन तब तक हसीना को चुप रहना चाहिए। जिससे कि दोनों देशों को दिक्कतों का सामना न करना पड़े। यूनुस ने कहा कि हमने भारत के सामने अपना रूख साफ कर दिया है। अगर भारत शेख हसीना को प्रत्यर्पण की मांग तक अपने पास रखना चाहता है तो हसीना को चुप रहना होगा। हसीना पिछले एक महीने से भारत में रह रही हैं। उन्हें 5 जून के बाद शुरु हुए हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बाद 5 अगस्त को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हसीना को वापस लाकर उन पर मुकदमा चलाएंगे यूनुस ने शेख हसीना को वापस लाकर उन पर मुकदमा चलाने की बात कही। साथ ही यह भी कहा कि हसीना के भारत में रहने से कोई भी सहज नहीं है। यूनुस ने कहा कि अगर हसीना चुप रहतीं, तो हम इसे भूल जाते, लोग भी भूल जाते क्योंकि वह अपनी दुनिया में होतीं। लेकिन वह भारत में बैठकर बयानबाजी कर रही हैं, निर्देश दे रही हैं, यह किसी को पसंद नहीं है। दरअसल यूनुस शेख हसीना के 13 अगस्त को दिए उस बयान की ओर इशारा कर रहे थे जिसमें हसीना ने पिछले महीने बांग्लादेश में हुई हत्याओं और हिंसा को आंतकी घटना

करार देते हुए उनमें शामिल लोगों की पहचान और जांच की मांग की थी। साथ ही हसीना ने अपने लिए न्याय की मांग करते हुए अपराधियों को सजा देने के लिए कहा था। पीटीआई से बात करते हुए यूनुस ने इस तरह के बयान को भारत और बांग्लादेश दोनों के लिए अच्छा नहीं बताया है। 'हसीना के बिना अफगानिस्तान नहीं बन जाएगा बांग्लादेश' इंटरव्यू में यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ अपने मजबूत संबंधों को महत्व देता है। लेकिन भारत को इस धारणा से आगे बढ़ना होगा जिसमें वो शेख हसीना की आवामी लीग के अलावा दूसरी पार्टियों को इस्लामिक पार्टियों के तौर पर देखता है। यूनुस के मुताबिक ऐसा नहीं है कि शेख हसीना की आवामी लीग पार्टी के अलावा किसी दूसरी पार्टी की सरकार में बांग्लादेश, अफगानिस्तान बन जाएगा। यूनुस ने हसीना के देश छोड़ने को लेकर कहा कि वो किसी साधारण वजह से नहीं भागी हैं। उन्हें जनता के विद्रोह और आक्रोश के बाद देश से भागना पड़ा। यूनुस ने कहा कि जिन लोगों पर अत्याचार हुए हैं, सरकार उन्हें न्याय अवश्य दिलाएगी। 'अल्पसंख्यकों पर हमले सिर्फ एक बहाना' बांग्लादेश में हिंसा के दौरान अल्पसंख्यको और खासतौर पर हिंदुओं पर हुए हमलों को लेकर यूनुस ने कहा कि 'ये सिर्फ एक बहाना है। अल्पसंख्कों पर हमलों को बड़ा दिखाने की कोशिश हो रही है।' हसीना के देश छोड़ने के बाद भड़की हिंसा में हिंदुओं के साथ हिंसा, दुकानों और संपत्तियों की तोड़फोड़ और मंदिरों पर हमले की घटनाएं सामने आई थी। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी ने भी 15 अगस्त को लाल किले से दिए भाषण में बांग्लादेश में अल्पसंख्यको और खासतौर पर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर चिंता जाहिर की थी। इसके बाद मोहम्मद यूनुस ने पीएम मोदी से फोन पर बात की थी। जिसमें उन्होंने बांग्लादेश में रह रहें हिंदुओं की सुरक्षा को लेकर भरोसा दिया था। भारत और बांग्लादेश के संबंध कमजोर स्थिति में यूनुस ने भारत और बांग्लादेश संबंधों के सवाल पर कहा कि वर्तमान में द्विपक्षीय संबंधों की स्थिति कमजोर है। यूनुस ने कहा कि इसे सुधारने के लिए दोनों देशों को मिलकर काम करने की जरूरत है। इसके अलावा यूनुस ने भारत और बांग्लादेश देश के बीच ट्रांजिट एग्रीमेंट और अडानी के साथ इलेक्ट्रिसिटी डील पर बात करते हुए कहा कि इन पर विचार करने की मांग चल रही है। हर कोई कह रहा है कि इसकी जरूरत है। यूनुस ने कहा कि हम देखेंगे कि कागज पर क्या है और वास्तविकता में क्या चल रहा है। यदि आवश्यकता है तो हम इससे जुड़े सवाल उठाएंगे। वहीं बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी कह चुकी है कि अगर वो सत्ता में आती है तो अडानी के साथ डील की समीक्षा करेगी।

विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने दिए राजनीति से दूरी के संकेत, बोले- बच्चों के साथ वक्त बिताना चाहता हूं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने संकेत दिए हैं कि वह राजनीति से दूरी बना सकते हैं।

दरअसल उन्होंने कहा है कि वह अपने बच्चों के साथ समय बिताना चाहते हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि एंटनी ब्लिंकन अगली सरकार में विदेश मंत्री का पद न संभालें। गौरतलब है कि पिछले एक साल में एंटनी ब्लिंकन की व्यस्तता काफी बढ़ गई है। खासकर इस्त्राइल-हमास युद्ध के बाद से ब्लिंकन ने नौ बार पश्चिम एशिया का दौरा किया है।

हैती दौरे पर दिए राजनीति से दूरी के संकेत

ब्लिंकन हैती के दौरे पर हैं। बीते एक दशक में हैती दौरे पर आने वाले ब्लिकंन पहले अमेरिकी विदेश मंत्री हैं। वहां पत्रकारों से बात करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि जहां तक मेरे भविष्य की बात है तो मैंने पिछला हफ्ता अपने बच्चों के साथ बिताया था और मैं भविष्य में उनके साथ और ज्यादा वक्त बिताना पसंद करूंगा। एंटनी ब्लिंकन के दो बच्चे हैं। एंटनी ब्लिंकन को जो बाइडन का करीबी माना जाता है और जो बाइडन के सीनेटर रहने, उपराष्ट्रपति रहने और अब राष्ट्रपति कार्यकाल के दौरान भी ब्लिंकन के साथ काम कर रहे हैं। अब बाइडन अगला राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। ऐसे में ब्लिकंन भी राजनीति से दूरी बना सकते हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका में किसी विदेश मंत्री का चुनाव के बाद भी पद पर बने रहना बहुत ही असामान्य बात है। आखिरी बार जॉर्ज शुल्ज ने लगातार दो कार्यकाल विदेश मंत्री का पद संभाला था। ऐसा कहा जाता है कि ब्लिंकन जितने बाइडन के करीबी हैं, उतने वे कमला हैरिस के करीबी नहीं हैं। ऐसे में माना जा रहा है कि ब्लिंकन अगली सरकार में विदेश मंत्री पद पर नहीं रहेंगे। अमेरिका में नवंबर में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से कमला हैरिस राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार हैं, जबकि रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद की रेस में हैं।

चीन ने अपने बच्चों को विदेशियों को गोद देने पर लगाई रोक

बीजिंग, एजेंसी। चीन सरकार अब देश के बच्चों को विदेशियों को गोद लेने की अनुमति नहीं दे रही है। विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि एकमात्र अपवाद किसी बच्चे या सौतेले बच्चे को गोद लेने वाले रक्त संबंधियों के लिए होगा। उन्होंने निर्णय की व्याख्या नहीं की और सिर्फ इतना कहा कि यह प्रासंगिक अंतरराष्ट्रीय संधियों की भावना के अनुरूप है। दशकों से अनेक विदेशियों ने चीन से बच्चों को गोद लिया है। वे उन्हें लेने के लिए देश का दौरा करते हैं और फिर उन्हें विदेश में एक नए घर में ले जाते हैं। चीन ने कोविड-19 महामारी के दौरान अंतरराष्ट्रीय दत्तक ग्रहण को निलंबित कर दिया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने दत्तक ग्रहण संबंधी अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि चीन सरकार ने बाद में उन बच्चों से संबंधित दत्तक ग्रहण फिर शुरू कर दिया, जिन्हें 2020 में निलंबन से पहले यात्रा मंजूरी प्राप्त हुई थी। विदेश विभाग की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी वाणिज्य दूतावास ने अक्टूबर 2022 से सितंबर 2023 तक 12 महीनों में चीन से बच्चे गोद लेने के लिए 16 वीजा जारी किए। यह स्पष्ट नहीं है कि तब से कोई और वीजा जारी किया गया है या नहीं।

इजरायली सेना ने पश्चिमी तट पर 6 फिलिस्तीनियों को मार गिराया

रामल्लाह, एजेंसी। इजरायली बलों ने पश्चिमी तट के शहर तुबास में छह फिलिस्तीनियों को मार गिराया। इसकी जानकारी फिलिस्तीनी चिकित्सा और सुरक्षा विभाग ने दी। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने गुरुवार को बताया कि टुबास में उनके वाहन को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में पांच फिलिस्तीनी मारे गए। टुबास उत्तर-पश्चिमी वेस्ट बैंक में स्थित है।

फिलिस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि टुबास के दक्षिण में फारा शिविर में इजरायली सेना ने छठे व्यक्ति को गोली मार दी। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, पीड़ित तक पहुंचने में सेना को घंटों लग गए। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि उसने गुरुवार की सुबह फारा कैंप में ड्रोन हमला किया और टुबास में तीन और हमले किए। आईडीएफ ने कहा कि इन हमलों का लक्ष्य फिलिस्तीनी बंदूकधारी थे जो छापे के दौरान सैनिकों पर गोलीबारी कर रहे थे और विस्फोटक फेंक रहे थे। तुबास के गवर्नर अहमद अल-असद ने शिन्हुआ को बताया कि इजरायली छापों से फारा शिविर में बुनियादी ढांचे और सेवाओं को व्यापक क्षति पहुंची है।

जेनिन में इजरायली सेना ने लगातार नौवें दिन भी अभियान जारी रखा। मेयर निदाल ओबेदी ने कहा कि जारी हमलों ने स्थानीय बुनियादी ढांचे को बुरी तरह से नुकसान पहुंचाया है, जिसकी पूरी सीमा का अभी आकलन किया जाना बाकी है। फिलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 28 अगस्त से पश्चिमी तट पर इजरायली सैन्य अभियानों के परिणामस्वरूप 39 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 145

घायल हुए हैं। मंत्रालय ने कहा कि अक्टूबर 2023 में गाजा संघर्ष शुरू होने के बाद से पश्चिमी तट पर 691 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, गुरुवार को तड़के इजरायली सेना शहर के बुनियादी ढांचे को हुए भारी नुकसान के बीच तुलकारेम और उसके शरणार्थी शिविर से वापस चली गई।

इजरायल द्वारा गाजा पट्टी पर किए जा रहे हमले के कारण पश्चिमी तट पर तनाव चरम पर है। पिछले वर्ष 7 अक्टूबर से अब तक 40,800 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, जिनमें अधिकतर महिलाएं और बच्चे हैं। हमलों में तेजी की एक और वजह 19 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के ऐतिहासिक राय भी है, जिसमें इजरायल द्वारा फिलिस्तीनी भूमि पर दशकों से किए जा रहे कब्जे को गैरकानूनी घोषित किया गया था। अंतर्राष्ट्रीय अदालत ने पश्चिमी तट तथा पूर्वी यरुशलम में सभी बस्तियों को खाली करने की मांग भी रखी थी।

यूक्रेन ने नियुक्त किया नया विदेश मंत्री

कीव, एजेंसी। यूक्रेनी संसद ने दिमित्रो कुलेबा की जगह एंड्री सिबिहा को देश का नया विदेश मंत्री नियुक्त करने के लिए मतदान किया है। लॉ मेकर ओलेक्सी होन्चारेंको ने इसकी जानकारी दी। होन्चारेंको ने गुरुवार को टेलीग्राम पर कहा कि सिबिहा ने उपस्थित 315 सांसदों में से 258 का समर्थन हासिल किया है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले गुरुवार को संसद ने कुलेबा को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया, जिन्होंने बुधवार को अपना इस्तीफा दे दिया था।

49 वर्षीय साइबिहा ने पहले राष्ट्रपति कार्यालय के उप प्रमुख के रूप में कार्य किया था और अप्रैल में कुलेबा के डिप्टी बने। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के साथ युद्ध के अहम मोड़ पर हो रहे फेरबदल के बारे में कहा है कि देश को ÷नई ऊर्जा÷ की जरूरत है।

सिबिहा, एक डिप्लोमैट रहे हैं और इन्होंने जेलेंस्की के कार्यालय में कई सालों तक काम किया। वह गुरुवार को नियुक्त किए जाने वाले 8 नए मंत्रियों में से एक हैं। आलोचकों ने कहा है कि यह फेरबदल राष्ट्रपति कार्यालय के प्रमुख एंड्री यरमक के

साथ संबद्ध जेलेंस्की के वफादारों के एक छोटे समूह द्वारा सत्ता पर काबिज होने की कोशिश है। तुर्की में पूर्व राजदूत सिबिहा ने यरमैक के डिप्टी के रूप में भी काम किया था। इसके साथ ही युद्ध के दौरान यूक्रेन की रेलवे को चालू रखने का काम करने वाले लोकप्रिय व्यक्ति अलेक्जेंडर कामिशिन को भी सामरिक उद्योग मंत्रालय से राष्ट्रपति कार्यालय में स्थानांतरित किया जा रहा है। यूक्रेन पर रूसी हमलों के बीच बड़े स्तर पर हो रहे फेरबदल को लेकर कई तरह के सवाल उठने लगे हैं। ये नियुक्तियां तब हुई हैं जब जेलेंस्की इस महीने के अंत में अमेरिका की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं। जेलेंस्की ने बार-बार सहयोगियों से उन प्रतिबंधों को हटाने का आह्वान किया है जो कीव को रूस में लंबी दूरी के हमलों के लिए पश्चिमी हथियारों का उपयोग करने से प्रतिबंधित करते हैं। रूसी सेनाएं पूर्व में आगे बढ़ रही हैं और उन्होंने कीव और अग्रिम पंक्ति से दूर अन्य यूक्रेनी शहरों पर मिसाइल और ड्रोन हमलों के अपने अभियान को तेज कर दिया है। आरोप है कि बिजली क्षेत्र और अन्य बुनियादी ढांचे पर रूस की ओर से लगभग रोज हमले हो रहे हैं। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि कुर्स्क के रूसी क्षेत्र में यूक्रेन की घुसपैठ नाकाम रही है बल्कि यूक्रेन की अग्रिम पंक्ति ही कमजोर साबित हुई है। रूस के इस दावे का प्रतिवाद नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने किया, जिन्होंने ओस्लो में संवाददाताओं से कहा कि यूक्रेन ने अपने कुर्स्क आक्रमण में बहुत कुछ हासिल किया है। पुतिन ने व्लादिवोस्तोक में ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम में कहा कि रूसी सेना धीरे-धीरे यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क से बाहर धकेल रही थी, जहां 6 अगस्त को यूक्रेन ने दूसरे विश्व युद्ध के बाद रूस पर सबसे बड़ा विदेशी आक्रमण किया गया था।

राष्ट्रपति चुनाव में राजपक्षे को समर्थन देने पर चार मंत्री बर्खास्त, विक्रमसिंघे ने की कार्रवाई

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने गुरुवार को अपनी सरकार के चार जूनियर मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया। मंत्रियों के खिलाफ 21 सितंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में राष्ट्रपति पद के निर्दलीय उम्मीदवार राजपक्षे का समर्थन करने पर यह कार्रवाई की। राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने बंदरगाह और विमानन सेवा राज्य मंत्री प्रेमलाल जयशेखर, बिजली और ऊर्जा राज्य मंत्री इंडिका अनुरुद्ध, कृषि राज्य मंत्री मोहन प्रियदर्शन डी सिल्वा और राजमार्ग राज्य मंत्री सिरिपाला गमलाथ को बर्खास्त किया। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 47 (3) द्वारा उन्हें दिए गए अधिकार के तहत लिया गया। बर्खास्त किए गए मंत्रियों ने श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार नमल राजपक्षे को समर्थन देने की घोषणा की थी। राजपक्षे ने 75 वर्षीय विक्रमसिंघे से समर्थन वापस ले लिया। मंत्रियों को बर्खास्त करने का निर्णय प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने की अध्यक्षता में एक महागठबंधन पीपुल्स यूनाइटेड फ्रीडम अलायंस के गठन के बाद आया। इसमें 25 से अधिक राजनीतिक दल शामिल हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में विक्रमसिंघे का समर्थन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री दिनेश गुणावर्धने ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव के बाद होने वाले संसदीय चुनाव लड़ने के

लिए गठबंधन बनाया गया है। विक्रमसिंघे, जिन्होंने 2022 में अपदस्थ राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के शेष कार्यकाल के लिए राष्ट्रपति पद संभाला था, को एसएलपीपी ने संसद में बहुमत वोट द्वारा स्टॉप-गैप राष्ट्रपति बनाया था। श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के कई युवा सदस्यों ने दिवालिया अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने में विक्रमसिंघे की काम में मदद की। इन्होंने भी देश को आर्थिक संकट से उबारने के लिए राष्ट्रपति का समर्थन करने का फैसला किया। एसएलपीपी ने भी राजपक्षे की उम्मीदवारी पर विक्रमसिंघे का समर्थन करने वाले सदस्यों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का फैसला लिया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे हंटर ने स्वीकार किया अपराध; संघीय कर मामले में अदालत ने माना है दोषी

लॉस एंजेलिस, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बेटे हंटर बाइडन ने संघीय कर मामले में आरोपों को स्वीकार कर लिया है। हंटर का यह निर्णय बृहस्पतिवार को तब आया, जब संघीय कर मामले में जूरी चयन शुरू होने वाला था, जिसमें उन पर करों में कम से कम 1.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था। आरोपों में 17 साल तक की सजा का प्रावधान है, लेकिन संघीय सजा दिशा-निर्देशों के तहत बहुत कम सजा की मांग की जा सकती है। सजा पर 16 दिसंबर की तारीख तय की गई है।

हंटर को अवैध रूप से हथियार खरीदने और नशीली दवाओं के उपयोग को लेकर झूठ बोलने के मामलों में जून में दोषी ठहराया गया था। कर परीक्षण में संभावित रूप से अधिक झूठे सबूतों के साथ-साथ हंटर के विदेशी व्यापार सौदों के बारे में विवरण प्रदर्शित होने की उम्मीद थी, जिसे रिपब्लिकन ने बाइडन परिवार को भ्रष्ट के रूप में चित्रित करने की कोशिश की।

हालांकि राष्ट्रपति बाइडन के 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से बाहर होने के फैसले ने कर मामले के संभावित राजनीतिक निहितार्थों को कम कर दिया, लेकिन यह उम्मीद की गई थी कि मुकदमे से राष्ट्रपति को उनके पांच दशक के राजनीतिक करियर के अंतिम महीनों में भारी भावनात्मक नुकसान उठाना पड़ेगा। हंटर द्वारा अपनी याचिका दायर करने से पहले बचाव पक्ष के वकील एब्बे लोवेल ने न्यायाधीश से कहा, बहुत हो गया। सार्वजनिक और निजी हित के कारण, बाइडन आज आगे बढ़ने और इसे समाप्त करने के लिए तैयार हैं। स्ट्रिपर्स, लक्जरी

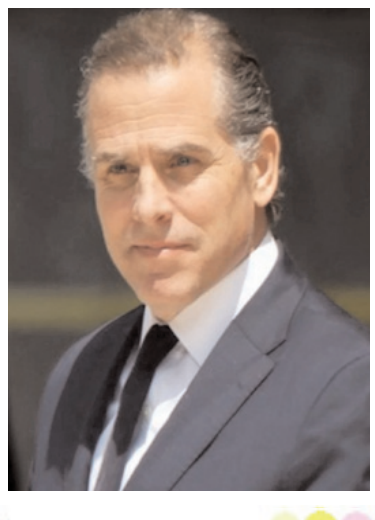

होटल और विदेशी जैसी चीजों पर बेतहाशा खर्च करते हुए करों से बचने के लिए चार साल की योजना का आरोप लगाने वाले मामले की सुनवाई के लिए पैनल चुनने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए 100 से अधिक संभावित जूरी सदस्यों को लॉस एंजिल्स के कोर्टहाउस में लाया गया था। अभियोजक तब हैरान रह गए जब हंटर के वकील ने बृहस्पतिवार सुबह न्यायाधीश को बताया कि हंटर एक अल्फोर्ड याचिका में प्रवेश करना चाहता था, जिसके तहत एक प्रतिवादी अपनी बेगुनाही बरकरार रखता है लेकिन स्वीकार करता है कि अभियोजकों के पास सजा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने ऐसी याचिका पर आपत्ति जताई और न्यायाधीश से कहा कि हंटर विशेष शर्तों पर दोष स्वीकार करने के हकदार नहीं हैं जो केवल उन पर लागू होती हैं। हंटर बाइडन अपनी पत्नी मेलिसा कोहेन बाइडन का हाथ पकड़कर अदालत कक्ष में चले गए और उनके साथ सीक्रेट सर्विस के एजेंट भी मौजूद थे। प्रारंभ में, उन्होंने अपने 2016 से 2019 के करों से संबंधित आरोपों के लिए दोषी नहीं होने का अनुरोध किया और उनके वकीलों ने संकेत दिया था कि वे तर्क देंगे कि उन्होंने जानबूझकर या कानून तोड़ने के इरादे से काम नहीं किया। बृहस्पतिवार को अपनी याचिका बदलने का हंटर बाइडन का निर्णय न्यायाधीश द्वारा बचाव पक्ष के लिए कुछ प्रतिकूल प्री-ट्रायल फैसले जारी करने के बाद आया, जिसमें नशे की लत के बारे में गवाही देने के लिए प्रस्तावित रक्षा विशेषज्ञ को अस्वीकार करना भी शामिल था।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीएम मोदी नहीं जयशंकर देंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा में वक्तव्य

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर के अंत में संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान वार्षिक आम बहस में वक्तव्य नहीं देने वाले है। उनकी जगह विदेश मंत्री एस जयशंकर के बहस में वक्तव्य देने की संभावना है। संयुक्त राष्ट्र की ओर से जारी वक्ताओं की संशोधित अंतिम सूची से यह बात सामने आई है। प्रधानमंत्री इस माह के अंत में न्यूयॉर्क की यात्रा करने वाले हैं। उनके 22 सितंबर को लॉन्ग आइलैंड में 16,000 सीट वाले नासाउ वेटरंस मेमोरियल कोलेजियम में एक भव्य सामुदायिक कार्यक्रम को संबोधित करने की योजना है। महासभा के 79वें सत्र की आम बहस के लिए संयुक्त राष्ट्र की ओर से जुलाई में जारी वक्ताओं की एक अनंतिम सूची में कहा गया था कि मोदी 26 सितंबर को उच्च स्तरीय बहस में वक्तव्य देने वाले है। हालांकि, शुक्रवार को जारी अनंतिम सूची के मुताबिक, मोदी की जगह अब विदेश मंत्री जयशंकर के 28 सितंबर को प्रस्तावित आम बहस में वक्तव्य देने की संभावना है। सूची के साथ महासभा एवं सम्मेलन प्रबंधन के अवर महासचिव मूव्स एबेलियन के हस्ताक्षर वाला एक नोट जारी किया गया है, इसमें कहा गया है कि वक्ताओं की संशोधित सूची प्रतिनिधित्व के स्तर (‘अपग्रेड’ और ‘डाउनग्रेड’) में बदलाव को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है और सदस्य देशों के बीच आदान-प्रदान को दर्शाती है। संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र की आम बहस इस साल 24 से 30 सितंबर तक आयोजित होगी। परंपरागत रूप से बहस में पहला वक्ता ब्राजील 24 सितंबर को उच्च स्तरीय सत्र की शुरुआत करेगा। दूसरा वक्ता अमेरिका होगा, जिसके मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन संयुक्त राष्ट्र के मंच से सदस्य देशों के नेताओं को अपने कार्यकाल का आखिरी संबोधन देने वाले है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतारेस आम बहस की शुरुआत से पहले अपनी रिपोर्ट पेश करने वाले हैं, जिसके बाद महासभा के 79वें सत्र के अध्यक्ष का संबोधन होगा। इस सत्र से पहले गुतारेस 22-23 सितंबर तक ‘भविष्य का शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहे है। संयुक्त राष्ट्र ने कहा, शिखर सम्मेलन एक उच्च स्तरीय कार्यक्रम है, जो विश्व नेताओं को इस बात पर अंतरराष्ट्रीय सहमति बनाने के लिए साथ लाता है कि हम वर्तमान को कैसे बेहतर बनाएं और भविष्य की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित करें। इसके अलावा, लॉन्ग आइलैंड में प्रस्तावित सामुदायिक कार्यक्रम में 24,000 से अधिक प्रवासी भारतीयों ने हिस्सा लेने की इच्छा जताई है, जिसे मोदी संबोधित करने वाले है। इंडियन-अमेरिकन कम्युनिटी ऑफ यूएसए (आईएसीयू) ने कहा कि ‘मोदी एंड यूएस प्रोग्रेस टुगेदर’

कार्यक्रम के लिए पंजीकरण पूरे अमेरिका से 590 सामुदायिक संगठनों के माध्यम से किए गए हैं, जिनमें से सभी ने ‘वेलकम पार्टनर’ के रूप में हस्ताक्षर किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

चंबा से अमृतसर जा रही बस अचानक पलटी, एक की मौत, 12 घायल

चंबा। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम के चंबा डिपो की बस पंजाब के पठानकोट में हादसे का शिकार हो गई। इस हादसे में एक यात्री की मौत हो गई है, जबकि 12 यात्री घायल हुए हैं। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती किया गया है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस हादसे की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि बस में 41 लोग सवार थे। जानकारी के मुताबिक बीती रात पठानकोट को चंबा से जोड़ने वाले नेशनल हाइवे पर यह हादसा हुआ है। चंबा से पठानकोट की ओर से जा रही एचआरटीसी की बस गांव बुंगल बधानी के पास मामून कैंट में हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि गांव बुंगल बधानी के पास बस अचानक पलट गई। बस के शीशे भी टूट गए। बस चंबा से अमृतसर जा रही थी। पुलिस थाना प्रभारी रजनी बाला ने बताया कि रात को सूचना मिली थी कि हिमाचल रोडवेज की बस सड़क हादसे का शिकार हो गई है। इसमें एक की मौत हो गई, जबकि कई घायल हैं। एक घायल की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पसीने से लगेगा बीमारियों का पता

नई दिल्ली। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के सेन डिएगो के जैकब्स स्कूल आफ इंजीनियरिंग के शोधकर्ताओं ने एक ऐसी पट्टी तैयार की है। जो पसीने में मौजूद रसायनों को बिजली मैं बदल देते हैं। यह बिजली बैटरी में संग्रहित कर चार सेंसर के माध्यम से खून में ग्लूकोज, विटामिन सी, पर्किसन रोग के बारे में पता करके इसे ब्लूटूथ के माध्यम से ट्रांसफर कर देती है। इस पद्धति से तुरंत बीमारी के स्तर का पता लग जाता है। परीक्षण के दौरान एक व्यक्ति को पूरे दिन यह पट्टी पहनाई गई। खाना, खाने के बाद उसके खून में शुगर के स्तर,व्यायाम के दौरान लेक्टट का स्तर,संतरे का रस पीते समय विटामिन सी का स्तर इत्यादि को मापा गया। शोधकर्ताओं के अनुसार उंगलियों के सिरे और शरीर के सबसे अधिक पसीना पैदा करने वाले अंग में इस पट्टी को लगाने से बीमारियों का पता आसानी से लगाया जा सकता है। यह शोध जनरल नेचर इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रकाशित हुआ है।

नाबालिग के गले में फंसा बैलून, इलाज के दौरान हो गई मौत

कांगड़ा। एक छोटे से गुब्बारे ने 13 साल के बच्चे की जान ले ली। 2 दिन तक बच्चा अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच झूलता रहा और आखिरकार उसकी मौत हो गई। मामला हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले का है। यहां पर 13 साल का विवेक कुमार सरकारी स्कूल सिद्धपुरघाड़ में पढ़ता था। विवेक स्कूल के गेट पर वह गुब्बारा फुलाने लगा तो फुलाते समय अचानक गुब्बारे से हवा निकली और झटके के साथ गुब्बारा विवेक के मुंह में चला गया। इस दौरान यह गुब्बारा विवेक के गले में अटक गया। घटना की जानकारी स्कूल के टीचर्स को मिली तो वे बच्चे को अस्पताल ले गए। यहां पर प्राथमिक उपचार के बाद बच्चे को पंजाब के पठानकोट के अमनदीप अस्पताल में भर्ती किया गया था। डॉक्टरों की टीम ने विवेक के गले से गुब्बारा तो निकाल लिया, लेकिन उसकी सेहत नाजुक बनी हुई थी। गुरुवार देर रात 11 बजे के करीब विवेक ने अंतिम सांस ली।बच्चे की मौत से जहां परिजन स्तब्ध हैं तो वहीं स्कूल और गांव में भी शोक की लहर है। स्कूल के बच्चों व स्टाफ की आंख भी नम है। विवेक के पिता दिहाड़ी-मजदूरी करते हैं तथा माता गृहिणी है और बड़ी बहन है 12वीं में पढ़ती है। कांगडा के ज्वाली से पूर्व विधायक नीरज भारती ने भी बच्चे के परिवार की मदद की है। नीरज भारती ने बच्चे के इलाज के लिए 50 हजार रुपये दिए थे। इसके अलावा, स्कूल के प्रिंसिपल ने भी बच्चे के परिवार को आर्थिक मदद की थी, लेकिन अब बच्चे की जान नहीं बच पाई है।

इंडिगो फ्लाइट में बंद हुआ एसी, गर्मी से बेचैन 3 यात्री हुए बेहोश

नई दिल्ली। दिल्ली से वाराणसी जा रही इंडिगो फ्लाइट का एसी अचानक बंद हो गया। गर्मी और बेचैनी इतनी ज्यादा हुई कि तीन यात्री बेहोश हो गए। इसके अलावा अन्य यात्री घुटन से परेशान हुए तो हंगामा शुरु हो गया। फ्लाइट संख्या 6 ई 2235 में टेक ऑफ से पहले ही एसी अचानक बंद हो गया। इससे यात्रियों को गुस्सा आ गया। फ्लाइट के अंदर के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एसी बंद होने की वजह फ्लाइट में मौजूद यात्रियों को सांस लेने में परेशानी हुई। ऑक्सीजन की कमी के चलते तीन यात्री बेहोश हो गए। जिसमें बच्चे और महिलाएं शामिल हैं। इन सभी को बाद में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार, पूरी यात्रा के दौरान फ्लाइट का एसी खराब रहा। टेक ऑफ से पहले यात्रियों ने क्रू मेंबर्स को इसके बारे में बताया था लेकिन उनकी शिकायत पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। फ्लाइट का एसी बंद होने से परेशान यात्रियों को तकलीफ में सफर तय करने को मजबूर होना पड़ा। गर्मी और उमस ने उनकी दिक्कत को और बढ़ दिया। यात्रा के दौरान फ्लाइट के अंदर मौजूद यात्रियों का गुस्सा फूट गया।

ट्रेन में यात्रियों की चैकिंग के दौरान मिला दो किलो सोना और पांच लाख नकदी

-विधानसभा चुनाव के चलते रेलवे पुलिस बरत रही सख्ती

अंबाला।

हरियाणा के अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में यात्रियों की चैकिंग की जा रही थी। आरपीएफ ने चैकिंग के दौरान एक यात्री के पास दो किलो सोना और दूसरे यात्री से पांच लाख रुपए नकदी बरामद किए। इसकी सूचना तत्काल आयकर विभाग को दी गई इस पर आगे की कार्रवाई जारी है। बताया जा रहा है कि दोनों यात्री अमृतसर के रहने वाले हैं और दोनों ही आभूषण और कपड़े का व्यापार से जुड़े हुए बताए जा रहे हैं। विधानसभा चुनावों को लेकर रेलवे पुलिस सख्ती बरत रही है। रेलवे स्टेशन व ट्रेनों में चेकिंग की जा रही हैं। कल अंबाला छावनी रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा ट्रेनों में चैकिंग की जा रही थी। चैकिंग के दौरान एक यात्री से दो किलो सोना और दूसरे यात्री से पांच लाख रुपए नकदी बरामद की गई। जब्त दो किलो सोने की कीमत करीब डेढ़ करोड़ बताई जा रही है। आरपीएफ इंचार्ज जावेद खान ने बताया कि चुनाव के समय कुछ असामाजिक तत्व चुनाव को प्रभावित करने के लिए गड़बड़ियां करते हैं, जिससे चुनाव में दिक्कत आए। इस बात को मुख्यालय ने गंभीरता से लिया है। चुनाव के समय बोर्डर सील कर दिए जाते हैं, जिसके कारण आपराधिक प्रवृत्ति के लोग ट्रेन से सफर करते हैं क्योंकि ट्रेन आसानी से हर स्टेट को पार करती है। इसीलिए जो टीम तैयार की गई थी, उसी टीम ने ट्रेन में लुधियाना से चलने के बाद चैकिंग की, तो कोच नंबर बी-2 में गगनदीप नाम के युवक की चैकिंग की तो उसके पास से दो किलो सोना बरामद हुआ। पूछताछ की गई तो सोना ले जाने के दस्तावेज उसके पास नहीं मिले जिसमें आरपीएफ ने कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग को सूचना दे दी। वह आगे की कार्रवाई कर रहे हैं। उसी कोच में एक ओर व्यक्ति से पांच लाख रुपए कैश बरामद हुआ। चुनाव के समय में दो लाख से ज्यादा कैश नहीं ले जा सकते हैं। इस बारे में उस व्यक्ति से पूछताछ की गई तो वह भी संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया। आरपीएफ ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरु कर दी है।

बिहार दौरे पर नड्डा श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारे में टेका मत्था

पटना ।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा बिहार के दौरे पर हैं। नड्डा अपने बिहार प्रवास के दूसरे दिन पटना के तख्त श्री हरमंदिर साहिब गुरुद्वारा पहुंचे। गुरुद्वारा पहुंचने पर उनका परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया। गुरुद्वारा पहुंचने पर भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने गुरु के दरबार में मत्था टेका। इस दौरान उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, सांसद रविशंकर प्रसाद सहित भाजपा के कई नेता मौजूद थे। नड्डा शनिवार को खाजेकला घाट के पास दलित बस्ती में पहुंचकर सदस्यता अभियान चलाएंगे। इसके बाद पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल जाएंगे। यहां नए भवन के निर्माण कार्यों का जायजा लेने वाले है। इसके बाद वे दरभंगा और मुजफ्फरपुर मेडिकल कॉलेज में सुपर स्पेशियलिटी ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले है। दरभंगा में वे एम्स के लिए बिहार सरकार की ओर से दी गई जमीन का निरीक्षण करने वाले है। इसके बाद वे मुजफ्फरपुर जाएंगे। यहां सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के ब्लॉक का उद्घाटन करने वाले है। उल्लेखनीय है कि नड्डा ने शुक्रवार को बिहार को कई बड़ी सौगात दी थी। उन्होंने आईजीआईएमएस के प्रांगण में 188 करोड़ की लागत से बने क्षेत्रीय चक्षु संस्थान का उद्घाटन कर राज्य की जनता की सेवा में समर्पित किया था। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के 850 करोड़ की अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। इसके अलावा भागलपुर और गया के मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुपरस्पेशलिटी भवन का उदघाटन किया था।

पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों से मिले पीएम मोदी, वैदिक गणित का बताया महत्व

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को पीएम आवास में राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित शिक्षकों से मुलाकात की। इस साल देश भर से 82 शिक्षकों को इस पुरस्कार के लिए चुना गया था। इस दौरान पीएम मोदी ने संस्कृत की टीचर से बात करते हुए वैदिक गणित के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि छात्रों को वैदिक गणित पढ़ाना चाहिए, दुनियाभर के कई देशों के सिलेबस में वैदिक गणित को पढ़ाया जाता है। झारखंड से आईं संस्कृत शिक्षक आशारानी ने पीएम मोदी के सामने श्लोक सुनाया। आशा ने बताया कि वह कोशिश करती हैं कि छात्रों को संस्कृत भाषा के जरिए संस्कृति से जोड़ा जाए। इसके बाद पीएम मोदी ने कहा कि आपने कभी सोचा कि जब आप संस्कृत के प्रति छात्रों को आकर्षित करती हैं। संस्कृत की शिक्षक के नाते क्या कभी इन बच्चों को वैदिक गणित से संबधित चीजें बताई हैं या टीचर्स के साथ इस पर चर्चा की है। पीएम मोदी ने वैदिक गणित के महत्व को बताया उन्होंने

कहा कि आप छात्रों तक इसे पहुंचाने की कोशिश करिए। ऑनलाइन वैदिक गणित की क्लासेस भी चलती हैं। यूके में कई जगह सिलेबस में वैदिक गणित है।

जिन बच्चों को गणित में रुचि नहीं है, अगर वो थोड़ा भी इसे देखेंगे उनको लगेगा ये तो मैजिक यानी जादू है। एक दम से उनका मन इसे सीखने में लग जाता है। संस्कृत से हमारे देश के जितने भी विषय हैं, उनसे परचित कराने के बारे में सोचना चाहिए।

वे 145 दिन.....जब मैंने हर मिलने वाले से कुछ न कुछ सीखा

राहुल ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर अपनी यादें साझा कीं

नई दिल्ली (ईएमएस)।

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को लेकर अपनी यादें साझा की। उन्होंने पोस्ट कर लिखा, भारत जोड़ो यात्रा ने मुझे मौन की खूबसूरती सिखाई।

जयकारे लगाती भीड़ और नारों के बीच, मैंने शोर को अनदेखा करके अपने करीब चल रहे व्यक्ति पर पूरा ध्यान केंद्रित करने और वास्तविकता सुनने की शक्ति हासिल की। उन्होंने लिखा, उन 145 दिनों में और उसके बाद के दो सालों में, मैंने अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए हजारों भारतीयों को सुना है। हर आवाज में ज्ञान छिपा है, मुझे कुछ नया सिखाया है और हर आवाज ने हमारी प्यारी भारत माता का प्रतिनिधित्व किया है। राहुल गांधी ने लिखा, इस यात्रा ने साबित कर दिया कि भारतीय लोग स्वाभाविक रूप से प्रेमपूर्ण होते हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट कर बताया कि मैंने यह यात्रा शुरू की थी, तब मैंने कहा था कि प्रेम घृणा को जीतेगा और आशा भय को परास्त करेगी, आज भी हमारा मिशन सुनिश्चित करना कि भारत माता की आवाज, प्रेम की आवाज हमारे प्यारे देश के हर कोने में सुनी जाए।

बता दें कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सितंबर 2022 में कन्याकुमारी से शुरू हुई थी और 4000 किलोमीटर का सफर तय कर कश्मीर पहुंची थी। दूसरी यात्रा ठीक एक साल पहले जनवरी से शुरू हुई थी और मार्च 2024 तक चली थी। इसके तहत उन्होंने मणिपुर से महाराष्ट्र तक करीब 6200 किलोमीटर की यात्रा की। लोगों का मानना है कि भारत जोड़ो यात्रा ने राहुल गांधी की राजनीतिक छवि को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाई है। हालांकि, जब भारत जोड़ो यात्रा शुरू की गई थी, तब लोग यात्रा को गंभीरता से नहीं ले रहे थे। यात्रा में राहुल गांधी ने बेरोजगारी, किसानों की समस्या, अर्थव्यवस्था की धीमी गति, भ्रष्टाचार और शासन व्यवस्था के मुद्दे उठाए।

घोष बाबू करोड़ों के मालिक.... करीबी की पत्नी को कैफे का ठेका

कोलकाता ।

कोलकाता में लेडी डॉक्टर से रेप और मर्डर की वारदात सामने आने के बाद से आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष पर शक बढ़ता जा रहा है। अस्पताल में पैसों के हेरफेर की जांच कर रही ईडी की टीम को घोष के एक आलीशान फॉर्म हाउस का पता चला है। यह फार्म हाउस दक्षिण 24 परगना के कैनिंग इलाके में मौजूद है, जो करोड़ों रुपये की लगात से बनाया गया है। उधर मामले की जांच कर रही सीबीआई ने घोष पर अमीर बनने की चाहत में ‘दूसरे आरोपियों के साथ आपराधिक साठगांठ’ का आरोप लगाया। सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि घोष ने काली कमाई का कारोबार चलाने के लिए अस्पताल में अपने करीबी लोगों को तैनात कर रखा था। संदीप घोष कोलकाता से पहले मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में तैनात थे और वहां के दो वेंडर्स को ही आरजी कर अस्पताल के भी ठेके दिए गए। सीबीआई ने दावा किया कि घोष ने अपने सुरक्षा अधिकारी की बीवी को ही अस्पताल में कैफे चलाने का ठेका दे दिया। सीबीआई ने सुनवाई में कहा, अभी तक की जांच के दौरान इकट्ठा किए गए सबूतों से पता चलता है कि डॉ. घोष ने दूसरे आरोपियों के साथ आपराधिक साठगांठ करके सरकार को गलत तरीके से नुकसान पहुंचाया। जांच से पता चला है कि वेंडर बिप्लब सिंह और सुमन हाजरा घोष के करीबी जानकार हैं। घोष बिप्लब को तब से जानते हैं जब वे मुर्शिदाबाद में एचओडी के पद पर तैनात थे और बिप्लब सिंह वहां वेंडर के तौर पर काम कर रहा था। घोष वर्ष 2016 से 2018 तक मुर्शिदाबाद मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में तैनात थे। 2018 के अंत में उन्हें कलकत्ता नेशनल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ट्रांसफर किया गया। फरवरी 2021 तक वे वहीं रहे, इसके बाद आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल का जिम्मा मिला। सितंबर 2023 में उन्हें मुर्शिदाबाद संस्थान में वापस भेज दिया गया। इसके एक महीने के अंदर ही वे आरजी कर कॉलेज के प्रिंसिपल बनकर लौट आए और 9 अगस्त

भारत की सशक्त पहचान में यूपी का गुणात्मक योगदान-उपराष्ट्रपति धनखड़

गोरखपुर ।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत की एक अलग और सशक्त पहचान बनी है, जिसमें उत्तर प्रदेश का गुणात्मक योगदान है। धनखड़ ने 2047 में ‘विकसित भारत’ की संकल्पना को लेकर जारी अभियान में सभी से योगदान देने की अपील की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के हवन में हरेक व्यक्ति को आहुति देनी चाहिए, क्योंकि हम देश के लिए जितना भी कर सकें, उतना कम है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि 680 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार के साथ भारत उन दिनों से बहुत आगे निकल आया है, जब उसे वित्तीय संकट से उबरने के लिए अपना सोना गिरवी रखना पड़ा था।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने शनिवार को गोरखपुर में उत्तर प्रदेश सैनिक स्कूल के उद्घाटन के मौके पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। 49 एकड़ क्षेत्र में फैले इस सैनिक स्कूल का निर्माण 176 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उद्घाटन समारोह में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। उन्होंने अंगवस्त्र और टेराकोटा से निर्मित गणेश प्रतिमा भेंटकर उपराष्ट्रपति का अभिनंदन किया।

इस अवसर पर माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री गुलाब देवी ने उपराष्ट्रपति की पत्नी डॉ. सुदेश धनखड़ को टेराकोटा की गणेश प्रतिमा भेंट की।

धनखड़ ने उत्तर प्रदेश में योगी के नेतृत्व में आए परिवर्तन का जिक्र करते हुए कहा कि 2017 के बाद राज्य में शिक्षा, चिकित्सा, उद्यमिता और अन्य क्षेत्रों में गुणात्मक वृद्धि हुई है, जबकि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश डर के साये में था, यहां कानून-व्यवस्था की स्थिति ठीक नहीं थी और आम आदमी परेशान रहता था।

उन्होंने कहा, आज का भारत 10 साल पहले की तुलना में पूरी तरह से अलग तस्वीर पेश करता है। एक समय था, जब ‘सोने की चिड़िया’ कहलाने वाले भारत को विदेशी बैंकों में सोना गिरवी रखना पड़ा था।

उस समय हमारा विदेशी मुद्रा भंडार एक अरब से दो अरब अमेरिकी डॉलर के बीच था। आज यह करीब 680 अरब अमेरिकी डॉलर है। देखिए, हमने तब से कितनी प्रगति की है।

उपराष्ट्रपति ने इस बदलाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। धनखड़ ने कहा, 1990 में जब मैं मंत्री की हैसियत से कश्मीर गया था, तब श्रीनगर की वीरान सड़कों ने मेरा स्वागत किया था। अब पिछले दो-तीन वर्षों में कश्मीर में पर्यटकों की संख्या में बहुत तेजी से वृद्धि हुई है और दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक कश्मीर की यात्रा कर चुके हैं।

उन्होंने कहा, संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद-370 को अस्थायी बताया था, लेकिन कुछ लोगों ने गलती से इसे स्थायी मान लिया। आज के समय में ही अनुच्छेद-370 को हटाया गया। यह आज का भारत है।

गिरफ्तारी के दौरान सही प्रक्रिया का पालन नहीं तो आरोपी को करना होगा रिहा

-ईडी ने गिरफ्तारी का कारण लिखित में नहीं बताया, नीरज सिंघल रिहा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा कि अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो, अगर जांच एजेंसी गिरफ्तारी के दौरान सही प्रक्रिया का पालन नहीं करती है तो आरोपी को रिहा किया जाना चाहिए। भूषण स्टील के मालिक नीरज सिंघल को सुप्रीम कोर्ट ने रिहा करने का आदेश दे दिया है। सिंघल पर 46 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तारी के दौरान ईडी ने सही प्रक्रिया का पालन नहीं किया। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने नीरज सिंघल की रिहाई की याचिका मंजूर कर ली। कोर्ट ने माना कि सिंघल पर लगे आरोप गंभीर हैं। इन आरोपों को हल्के में नहीं लिया जा सकता क्योंकि इनसे अर्थव्यवस्था पर असर पड़ता है और बाजार में अस्थिरता फैलती है। हालांकि, कोर्ट ने यह भी कहा कि ईडी ने सिंघल को गिरफ्तारी का कारण लिखित में नहीं बताया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, गिरफ्तारी का कारण लिखित में बताना जरूरी है। ईडी ने ऐसा नहीं किया, इसलिए सिंघल को राहत दी जाती है। कोर्ट ने कहा कि हमें कानून के मुताबिक काम करना होगा। यहां प्रक्रिया का पालन नहीं हुआ है। इससे बाजार में अस्थिरता आई और खातों में हेरफेर किया गया। यह समाज के साथ धोखाधड़ी है। कोर्ट ने आगे कहा कि ईडी भविष्य में इस गलती को नहीं दोहराएगी। कोर्ट ने यह भी कहा कि नियमों का पालन न करने पर अदालतों को सख्त होना होगा। सिंघल की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि वह करीब 16 महीने से हिरासत में हैं और पंकज बंसल मामले में शीर्ष अदालत के फैसले का

पालन नहीं किया गया। हालांकि, पीठ ने इस पर कोई टिप्पणी करने से परहेज किया कि क्या सिंघल को दोबारा गिरफ्तार किया जा सकता है। जस्टिस खन्ना ने कहा कि मुझे नहीं पता कि आप उन्हें दोबारा गिरफ्तार कर सकते हैं या नहीं। मैं इस बारे में पूरी तरह से निश्चिंत नहीं हूं। मैं इस पर कुछ नहीं कहना चाहूंगा। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सिंघल को निचली अदालत की ओर से तय की जाने वाली शर्तों पर रिहा किया जाए। इसके अलावा, उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और वह देश से बाहर भी नहीं जा सकते। सिंघल ने दिल्ली हाईकोर्ट के 8 जनवरी के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाईकोर्ट ने उनकी जमानत याचिका और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पर्युषण पर्वाधिराज : सातवां दिवस ध्यान दिवस के रूप में समायोजित

क्रांति समय | सूरत, महावीर समवसरण में आयोजित मुख्य प्रवचन कार्यक्रम का शुभारम्भ जैन श्वेताम्बर तेरापंथ धर्मसंघ के वर्तमान अधिशास्ता, अहिंसा यात्रा प्रणेता, युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के मंगल महामंत्रोच्चार के साथ हुआ. तीर्थ एवं तीर्थंकरों पर चर्चा के संदर्भ में भगवान पार्श्वनाथ के जीवनवृत्त को मुनि पार्श्वकुमारजी व मुनि केशीकुमारजी ने प्रस्तुति दी. दस धर्मों में एक ब्रह्मचर्य धर्म पर साध्वीवर्या साध्वी सम्बुद्धयशाजी ने अपनी विचाराभिव्यक्ति दी. ब्रह्मचर्य धर्म पर मुख्यमुनिश्री महावीरकुमारजी ने गीत का संगान किया. साध्वी स्तुतिप्रभाजी ने ध्यान दिवस पर गीत का संगान किया. ध्यान दिवस पर साध्वीप्रमुखा विश्रुतविभाजी ने ध्यान के महत्त्व को व्याख्यायित किया.

जन-जन को मानवता का संदेश प्रदान करने वाले युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी ने समुपस्थित जनता को 'भगवान महावीर की अध्यात्म यात्रा' के वर्णन के साथ जोड़ते हुए भगवान महावीर की आत्मा उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में गर्भस्थ होती है. भगवान महावीर के पांच प्रसंग एक ही नक्षत्र में

सम्पन्न हुए. प्रभु महावीर की आत्मा दशम देवलोक से च्युत हुई तब चौथे अर का अंतिम समय था. उस समय आषाढ़ शुक्ला षष्ठी को वैशाली नगरी के उपनगर ब्राह्मणकुण्ड नामक गांव में ऋषभदत्त नामक ब्राह्मण की पत्नी देवानंदा के गर्भ में गर्भस्थ होती है. पुनः इन्द्र के निर्देश पर देवानंदा के गर्भ को क्षत्रीय सिद्धार्थ की पत्नी त्रिशला की गर्भ में स्थापित किया और त्रिशला के गर्भ को देवानंदा के गर्भ में स्थापित कर दिया गया. शिशु का विकास अब त्रिशला के गर्भ में हो रहा है. गर्भस्थ शिशु मां को कष्ट न हो इसके लिए अपना हलन-चलन बंद कर किया तो मां दुःखी हो गयी. मां को दुःखी देख बालक ने पुनः अपना हलन-चलन प्रारम्भ कर दिया. माता-पिता कितने उपकारी होते हैं. उस शिशु ने गर्भ में ही यह प्रतिज्ञा कर ली कि माता-पिता के संसार में रहते हुए साधु दीक्षा नहीं स्वीकार करूंगा. चैत्र शुक्ला त्रयोदशी को रात्रि में जन्म हुआ. बालक के जन्मोत्सव मनाया गया.

आचार्यश्री ने ध्यान दिवस के संदर्भ में पावन प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा कि ध्यान अपने आप में साधना है. हमारे यहां प्रेक्षाध्यान की पद्धति प्रचलित है. 30 सितम्बर को प्रेक्षाध्यान दिवस पर प्रेक्षाध्यान कल्याण वर्ष का शुभारम्भ होने वाला है. प्रेक्षाध्यान दिवस गुरुदेव तुलसी के शासनकाल में व मुनि नथमलजी (टमकोर) के योगदान से प्रारम्भ हुआ. वह केवल तेरापंथ के लिए नहीं, जैन-अजैन सभी के लिए कारगर बना. प्रेक्षाध्यान साधना का एक उपक्रम है. आज भी कितने लोग ध्यान का प्रयोग करने वाले होंगे. अनेक रूपों में ध्यान हो सकता है. दीर्घश्वास, समताल, शरीर प्रेक्षा, अनुप्रेक्षा, कायोत्सर्ग आदि अनेक विधियां हैं. आदमी अपने जीवन में यथायोग्य ध्यान का भी अभ्यास करें, यह काम्य है.

पर्युषण के शिखर दिवस के संदर्भ में प्रेरणा देते हुए आचार्य श्री ने आगे कहा की कल महान दिन है. भगवती संवत्सरी का दिन है. वह पर्युषण का मानों सरताज दिन है. उसे आध्यात्मिक रूप में मनाने का प्रयास होना चाहिए. चारित्रात्माओं को तो उस दिन चौविहार उपवास रखना होता ही है. इसके साथ श्रावक-श्राविकाएं भी उपवास करते हैं. इससे छोटे बालकों को भी संयम के साथ यथासंभव जोड़ने का प्रयास किया जा सकता है. इस संदर्भ में आचार्यश्री ने आवश्यक जानकारी भी दी.

भगवती संवत्सरी कल : उपवास, तपस्या, प्रतिक्रमण द्वारा आराधना

आचार्य श्री के सान्निध्य में कल संवत्सरी महापर्व मनाया जायेगा. जिसके तहत धर्मावलाबी चौविहार, तिविहार उपवास करेंगे. साथ ही सैकड़ों तपस्वियों द्वारा अठाई तप का प्रत्याख्यान किया जायेगा. प्रातः 07 बजे से महावीर समवसरण में प्रवचन कार्यक्रम प्रारंभ हो जाएगा जिसके तहत आचार्यश्री एवं अन्य साधु-साध्वियों जैन इतिहास, दर्शन, तत्व आदि पर वक्तव्य देंगे. हजारों श्रावक-श्राविकाएं पौषध द्वारा भी संयम विहार में रहकर धर्म आराधना करेंगे.

5100 मिट्टी के दीपक से बनाया अनोखा गणपति

क्रांति समय | सूरत, प्रत्येक वर्ष गणपति महोत्सव के दौरान कुछ अनूठा कर युवा वर्ग को धार्मिक आस्था और रचनात्मक कार्यों की ओर खींचने के लक्ष्य के साथ डॉक्टर अदिति मित्तल ने इस वर्ष 5100 मिट्टी के दीपक से सवा पाँच फीट ऊँची गणेशजी की अनोखी प्रतिमा बनाई है और डूमस स्थित वीआर सूरत में रखा है. डॉक्टर अदिति मित्तल ने बताया की विसर्जन के बाद ये दीये ज़रूरतमंदों के घरों को रोशन करेंगे, प्यार, रोशनी और स्थिरता फैलाएंगे. दीयों के साथ तेल और बत्ती ज़रूरतमंद लोगों को वितरित किए जाएंगे.

डॉक्टर अदिति मित्तल पिछले सात वर्षों से लगातार तरबूज़, ड्राईफ़्रूट्स, नारियल, मक्का, साबुन आदि से ईकोफ़्रेंड्ली गणेशजी की मूर्ति बना रही है एवं विसर्जन के बाद प्रसाद के रूप में अलग-अलग स्थानों पर वितरित किया है. उनके

बनाए गणपति इंडिया बुक ओफ़ रिकोर्ड्स, गुजरात बुक ओफ़ रिकोर्ड्स में स्थान दर्ज कर चुके है.

सूरत शहर में 'आप' के राजा का आम आदमी पार्टी द्वारा स्थापना

क्रांति समय | सूरत, 'आप' के राजा वर्ष - 2024 के तहत गणेश चतुर्थी के अवसर पर आयोजित गणेशोत्सव में आम आदमी पार्टी सूरत शहर द्वारा किरण चौक, पुनागाम में विधिवत रूप से भगवान श्री गणपति जी की स्थापना की गई. इस सुखद अवसर पर आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री मनोजभाई सौरठिया, प्रदेश संगठन मंत्री रामभाई धडुक, प्रदेश और शहर संगठन के सभी पदाधिकारी, विपक्ष नेता पायलबेन साकरिया, विपक्ष के उपनेता महेशभाई अणघण, विपक्ष के सचेतक रचना बेन हीरपरा, सूरत लोकसभा अध्यक्ष रजनीकांतभाई वाघानी सहित कॉरपोरेटरों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उत्साहपूर्वक उपस्थित रहे। आम आदमी पार्टी द्वारा आयोजित इस गणेश पंडाल में रोजाना अलग-अलग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा. जिसका लाभ लेने के लिए सभी शहरवासियों को हार्दिक आमंत्रण दिया जाता है.

आम आदमी पार्टी ने हर साल की तरह इस साल भी 'आप' के राजा-गणेश महोत्सव का आयोजन किया. सभी पदाधिकारियों और

कार्यकर्ताओं ने सुबह भगवान गणपति की विधिवत पूजा अर्चना की और आरती उतारी. इसके बाद उपस्थित सभी लोगों ने गुजरात सहित पूरे देश की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की और फिर प्रसाद का वितरण किया. आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है और आज पूरे गुजरात में आम आदमी पार्टी मजबूती से आगे बढ़ रही है, तो इस लड़ाई में आम आदमी पार्टी को और अधिक शक्ति मिले, इसके लिए भगवान श्री गणेश जी से प्रार्थना की गई.

नई सिविल में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने एलर्जी और इम्यूनोथेरेपी क्लिनिक का उद्घाटन

क्रांति समय | सूरत, नई सिविल अस्पताल की ओपीडी नंबर 11 में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल द्वारा एलर्जी क्लिनिक और इम्यूनोथेरेपी क्लिनिक का उद्घाटन किया गया. एलर्जी क्लिनिक में हर मंगलवार और शुक्रवार को सुबह 10:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक निदान और उपचार किया जाएगा.

इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सूरत नई सिविल अस्पताल के डॉक्टरों ने लोगों की निरंतर सेवा करके उनका विश्वास जीता है. क्लिनिक की शुरुआत से सूरत सहित दक्षिण गुजरात के मरीजों को एलर्जी का इलाज निःशुल्क मिलेगा. आमतौर पर निजी अस्पतालों में एलर्जी के निदान और उपचार का खर्च डेढ़ से दो लाख रुपये तक होता है, जो सिविल अस्पताल में निःशुल्क संभव हो सकेगा.

गौरतलब है कि एलर्जी क्लिनिक में स्किन प्रिक टेस्ट द्वारा एलर्जी का निदान किया जाएगा. इसमें पुराने धूल के कीड़े, परागकण, फंगस, खाद्य पदार्थ (मूंगफली, दूध, अंडा) और पालतू जानवर (बिल्ली, कुत्ते के बाल), जानवरों और पक्षियों से होने वाली एलर्जी का परीक्षण मरीज के लक्षण और पर्यावरण में मौजूद एलर्जी के आधार पर किया जाएगा. हाथ या पीठ की त्वचा पर एलर्जेंस के ड्रॉप्स डालकर लैंसेट से प्रिक टेस्ट किया जाएगा. टेस्ट के रिपोर्ट के आधार पर 10 से 15 मिनट में

एलर्जी का परिणाम मिल जाएगा. जुकाम, खांसी सहित सांस से संबंधित कई एलर्जी का निदान और उपचार अब नई सिविल अस्पताल के एलर्जी टेस्टिंग और इम्यूनोथेरेपी क्लिनिक में निःशुल्क होगा. निजी अस्पताल में दो से पांच साल तक चलने वाले एलर्जी के उपचार में डेढ़ से दो लाख रुपये का खर्च आता है.

इस अवसर पर पूर्व उप-निदेशक डॉ. विकासबेन देसाई, मनपा के पूर्व स्थायी समिति के अध्यक्ष परेशभाई पटेल, मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. जयेश ब्रह्मभट्ट, मेडिकल अधीक्षक डॉ. धारित्री परमार, आरएमओ डॉ. केतन नायक, चेस्ट विभाग की प्रमुख डॉ. पारूल वडगामा, नर्सिंग काउंसिल के इकबाल कड़ीवाला, SMCA के डॉ. परेश कोठारी, IMA के अध्यक्ष दिकन शास्त्री, RSS के दिनेशभाई पटेल और नंदुजी शर्मा सहित डॉक्टर, विभिन्न विभागों के प्रमुख, नर्सिंग स्टाफ उपस्थित थे.

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024 में सूरत को भारत में पहला स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कार मिला

क्रांति समय | सूरत शहर 'स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024' में पूरे भारत में नंबर 1 शहर बना. इस संबंध में आज जयपुर में नेशनल मिशन फॉर क्लीन एयर कार्यक्रम के तहत केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा चेशनल क्लीन एयर सिटीज का सम्मान दिया गया. केंद्रीय मंत्री श्री भूपेंद्र यादव और राजस्थान के मुख्यमंत्री के द्वारा 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि, ट्रॉफी और प्रमाणपत्र के साथ यह पुरस्कार सूरत शहर के मेयर दक्षेश मावाणी और म्यूनिसिपल कमिश्नर शालिनी अग्रवाल ने स्वीकार किया.

सूरत में रॉन्ग साइड ड्राइविंग पर सूरत ट्रैफिक शाखा की कार्रवाई, 4059 लाइसेंस रद्द करने की सिफारिश

क्रांति समय | सूरत, सूरत पुलिस आयुक्त श्री अनुपमसिंह के मार्गदर्शन में सूरत शहर ट्रैफिक शाखा द्वारा रॉन्ग साइड में वाहन न चलाने के प्रति जागरूकता फैलाई गई. पूरे सूरत शहर में 80 अलग-अलग टीमों का गठन किया गया, जिनके माध्यम से हर रीजन सर्कल और सेमी सर्कल में रॉन्ग साइड में वाहन चलाने वाले चालकों को समझाया गया. 15 जून से 6 सितंबर तक 17,167 वाहन चालकों को समझाया गया, जबकि 4059 रॉन्ग साइड में वाहन चलाने वाले चालकों के लाइसेंस निलंबित करने के लिए आरटीओ में रिपोर्ट की गई.

इस पहल का उद्देश्य सबसे पहले उन दुर्घटनाओं को रोकना है जो रॉन्ग साइड ड्राइविंग के कारण होती हैं. सूरत शहर ट्रैफिक शाखा द्वारा इस प्रयोग की शुरुआत की गई है. यदि कोई चालक बार-बार रॉन्ग साइड में वाहन चलाता है, तो उसका लाइसेंस निलंबित किया जाएगा. हालांकि, पहले चरण में ट्रैफिक शाखा जागरूकता फैलाने पर ध्यान देगी, और अगर चालक बार-बार नियम का उल्लंघन करता है, तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

उधना क्षेत्र में महाकाल ग्रुप द्वारा गणेश जी का भव्य आगमन किया गया

क्रांति समय | सूरत, उधना क्षेत्र में महाकाल ग्रुप द्वारा गणेश जी का भव्य आगमन किया गया. आगमन में स्वामी आंजनेय दास और स्थानीय विधायक मनुभाई पटेल भी शामिल हुए. आगमन यात्रा उधना क्षेत्र के झांसी की रानी से निकली गई. आगमन यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु भी दर्शन करने पहुंचे.